RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 188 , शुक्रवार, 21 अगस्त 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

राजीव गांधी ने 21वीं सदी के भारत की नींव रखी : गप्पू राय 03

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में फर्जीवाड़े पर होगी प्राथमिकी व मान्यता रद्द 04

यामी गौतम की फिल्म नई नवेली का दशहरा पर होगा कब्जा 07

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस का पूरा वंदे मातरम न गाना देशविरोधी कांड

● शाह बोले-उन्होंने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर पाप किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस का वंदे मातरम पूरा न गाने का फैसला हैरान करने वाला और देशविरोधी है। 1937 में कांग्रेस ने जो फैसला लिया था, उसे पीएम मोदी ने सुधारा है। उन्होंने

कहा- कांग्रेस ने 1937 में राष्ट्रगीत के दो टुकड़े कर मुस्लिम तुष्टीकरण किया था। उस फैसले से दो-राष्ट्र सिद्धांत को मजबूती मिली और आगे चलकर देश का विभाजन हुआ। शाह के बयान पर कांग्रेस ने पलटवार किया। पार्टी के सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा- वंदे मातरम स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा था। यह हमारे लिए भावनात्मक मुद्दा है। बीजेपी स्वतंत्रता संग्राम का हिस्सा नहीं थी। उनके लिए यह राजनीतिक मुद्दा है। दरअसल, कांग्रेस वर्किंग कमेटी ने बुधवार को ऐलान किया कि पार्टी अपने सभी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के 6 में से सिर्फ शुरुआती दो पैरा गाएगी। यह फैसला 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर हुए विवाद के बाद आया।

दिल्ली में पाक हाई कमीशन के बाहर चला बुलडोजर

● बैरिकेड-फेंसिंग हटाई गईं, दो दिन पहले इस्लामाबाद में हुई थी कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में पाकिस्तान हाई कमीशन के बाहर बने अवैध ढांचों को बुधवार देर रात बुलडोजर से हटा दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक, ये ढांचे हाई कमीशन की तय सीमा से बाहर बने थे। पाकिस्तान हाई कमीशन का ऑफिस दिल्ली के चाणक्यपुरी के शांतिपथ पर है। यहां बैरिकेड, फेंसिंग और वीजा सेक्शन के पास कतार प्रबंधन के लिए बनाए गए ढांचे भी हटाए गए। यह

कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब दो दिन पहले इस्लामाबाद में भारतीय हाई कमीशन के बाहर लगाए गए सुरक्षा बैरिकेड और पार्किंग पोल हटाए गए थे। संबंधित एजेंसियों ने एमसीडी की मदद से हाई कमीशन के बाहर कार्रवाई की। मौके से ली गई तस्वीरों में टूटी रेलिंग, गेट, लोहे के फ्रेम, छत की चादरें, ईंट और कंक्रीट के टुकड़े बिखरे दिखाई दिए। बाहरी हिस्से की सफेद मेटल फेंसिंग और कुछ कॉरुगेटेड रूफिंग भी हटा दी गई। बुलडोजर एक्शन हाई कमीशन की मेन बिल्डिंग तक नहीं हुआ। मेन गेट, सफेद दीवारें और पाकिस्तानी निशान वाला बड़ा प्रवेश द्वार सुरक्षित रहा। परिसर के कुछ हिस्सों में कांटेदार तार भी लगे दिखाई दिए।

अब सबसे ऊंचे रेल पुल पर फर्राटा भरेगी वंदे भारत ट्रेन

बढ़ाई गई स्पीड, अब 100 किमी प्रतिघंटे की होगी रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में सबसे ऊंचा रेल पुल भारत में है। यह पुल जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में बक्कल और कौरी के बीच चिनाब नदी पर बना है। इसलिए लोग इसे चिनाब ब्रिज भी कहते हैं। इसकी नदी के तल से ऊंचाई 369 मीटर है जो कि पेरिस के एफिल टावर से भी 35 मीटर ऊंचा है। इस पुल पर वंदे भारत एक्सप्रेस 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से वंदे भारत एक्सप्रेस दौड़ेगी। जी हां, रेलवे ने कटड़ा से बनिहाल के बीच रेलगाड़ियों की अधिकतम गति 100 किमी प्रति घंटा कर दी है।

ट्रैक मजबूत हुआ तो बढ़ेगी गति

न्यूज एजेंसी की एक खबर के मुताबिक उत्तर रेलवे के जम्मू डिवीजन ने कटड़ा और बनिहाल के बीच 111 किलोमीटर लंबे इस रेलखंड की स्पीड बढ़ा कर 100 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। पहले इस रूट पर श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा से संगलदान सेक्शन पर ट्रेनों को अधिकतम 85 किलोमीटर/घंटा और संगलदान से बनिहाल सेक्शन पर 75 किलोमीटर/घंटा की गति से चलाने की अनुमति थी। कटड़ा से बनिहाल का 111 किलोमीटर लंबा रेल सेक्शन महत्वपूर्ण तो है ही, तकनीकी रूप से भी बेहद चुनौतीपूर्ण है। यह भारतीय रेल के महत्वाकांक्षी ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इस प्रोजेक्ट का मकसद कश्मीर घाटी को देश के अन्य हिस्सों से रेलमार्ग के जरिये जोड़ना है। जम्मू डिवीजन के सीनियर डीसीएल उचित सिंघल के हवाले से बताया है कि इस रूट पर स्पीड बढ़ने से अब यात्रा का समय कम हो जाएगा। उन्होंने बताया ट्रैक पर स्पीड बढ़ने से न केवल यात्रा का समय कम होगा, बल्कि जम्मू-कश्मीर की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। यात्रियों को तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक यात्रा सुविधाएं मिलेंगी। इससे क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

अब पुलिस नहीं करेगी भ्रूण लिंग परीक्षण वाले मामलों की जांच

● सुप्रीम कोर्ट बोला-अस्पताल पर छापा मारने का अधिकार भी नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि भ्रूण लिंग परीक्षण-पीएनपीडीटी एक्ट के तहत दर्ज मामलों की जांच पुलिस नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामलों में कानून के तहत नियुक्त अधिकारी ही कार्रवाई करेंगे। प्री कॉन्सेप्शन एंड प्री नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक्स (पीसीपीएनडीटी) एक्ट का मकसद भ्रूण का लिंग पता लगाने के लिए प्रसव से पहले की जाने वाली जांच तकनीकों के इस्तेमाल पर रोक लगाना है। यह फैसला जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने सुनाया। कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

पुलिस की भूमिका सिर्फ सहायक की रहेगी

बेंच ने कहा, इस एक्ट के तहत जांच करने की जिम्मेदारी पुलिस की नहीं है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कानून के मुताबिक पुलिस सिर्फ सहायक के तौर पर मदद करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह रोक केवल पीएनपीडीटी एक्ट के तहत आने वाले अपराधों पर लागू होगी। यानी पुलिस सामान्य आपराधिक कानून में सामने आए मामलों की जांच और मुकदमा चला सकती है।

● नेशनल मेडिकल कमीशन का प्रस्ताव, सारा रिकार्ड भी होगा ऑनलाइन

देश भर में अब सभी डॉक्टरों को मिलेगी एक यूनिक आईडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल मेडिकल कमीशन ने हर रजिस्टर्ड डॉक्टर को केंद्रीय स्तर पर एक यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर देने का प्रस्ताव रखा है। इसके बाद एक बार राज्य मेडिकल रजिस्टर में रजिस्ट्रेशन होने पर डॉक्टर को देश के किसी दूसरे राज्य में प्रैक्टिस करने के लिए अलग से नया रजिस्ट्रेशन या लाइसेंस नहीं लेना होगा। प्रस्ताव के तहत डॉक्टरों का एक राष्ट्रीय डिजिटल रिकॉर्ड भी तैयार होगा। इसमें रजिस्ट्रेशन, लाइसेंस की स्थिति और डॉक्टर के खिलाफ हुई अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानकारी दर्ज रहेगी। यह रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होगा, जिसे मरीज और अस्पताल भी देख सकेंगे। यह प्रस्ताव डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन और प्रैक्टिस लाइसेंस से जुड़े 2026 के ड्राफ्ट नियमों में रखा गया है। राज्य मेडिकल काउंसिल से रजिस्ट्रेशन मिलने के बाद एनएमआर का एथिक्स एंड मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड डॉक्टर को आईडी जारी करेगा। आईडी

मिलने के बाद डॉक्टर का नाम नेशनल मेडिकल रजिस्टर (एनएमआर) में दर्ज होगा। यही आईडी देशभर में डॉक्टर की पहचान के तौर पर काम करेगा और उसे किसी भी राज्य या केंद्रशासित प्रदेश में प्रैक्टिस करने की अनुमति होगी।

भारत को गाजा की चिंता, वेस्ट बैंक में बना रहा बड़ा हॉस्पिटल

इजरायल से दोस्ती के बावजूद नई दिल्ली का प्लान कर रहा हैरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और फिलिस्तीन के बीच बड़ा डेवेलपमेंट सामने आया है। भारत विकास के लिए फिलिस्तीन को मुहैया कराई जाने वाली मदद को बढ़ाने की योजना बना रहा है। इसी क्रम में, बुधवार को दोनों पक्षों ने फिलिस्तीन के वेस्ट बैंक में 200 बिस्तरों वाले भारतीय सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण के लिए एक करार पर हस्ताक्षर करने का ऐलान किया। इस अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं और एक ट्रॉमा सेंटर भी होगा। रिपोर्ट के मुताबिक

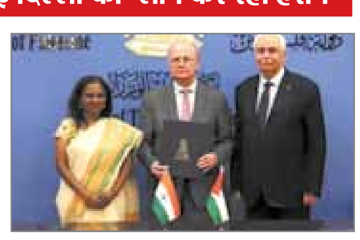

भारत में फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्ला अबू शावेश ने बुधवार को 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अस्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन भी किया।

फिलिस्तीन के साथ करार पर हस्ताक्षर का ऐलान

विदेश मंत्रालय की सचिव श्रीप्रिया रंगनाथन की फिलिस्तीन यात्रा की मुख्य बातों में से एक फिलिस्तीनी नेशनल प्रिंटिंग प्रेस के भीतर एक तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करना था, जो प्रिंटिंग क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करेगा। बता दें कि श्रीप्रिया रंगनाथन ने बुधवार को रामल्ला में फिलिस्तीनी प्रधानमंत्री मोहम्मद मुस्तफा से मुलाकात की और आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रों में दीर्घकालिक द्विपक्षीय साझेदारी एवं सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की।

सड़कों में चल रही नाव, एमपी में बस्तियां डूबीं

● भारी बारिश से एमपी और यूपी में बाढ़ जैसे हालात ● रीवा-सतना में 'जल' जला, कई गांवो का संपर्क टूटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई राज्यों में लगातार बारिश जारी है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। सतना में भारी बारिश से चित्रकूट की गुप्तगोदावरी में जलस्तर बढ़ गया। डिंडौरी में नदी-नाले उफान पर हैं और 12 से ज्यादा गांवों का संपर्क टूट गया। पन्ना के कई गांवों में भी पानी भर गया। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चार दिनों से बारिश हो रही है। पिछले तीन दिन में 205 मिमी पानी गिरा। शहर के कई इलाकों में 5 फीट तक पानी भर गया। घरों-हॉस्टल में पानी भर गया। बुधवार को करीब 2000 छात्र

हॉस्टल छोड़कर चले गए। आज भी 9 जिलों में रेड अलर्ट है। वाराणसी में घाटों के किनारे 100 से ज्यादा मंदिरों में गंगा का पानी घुस गया है। हरिश्चंद्र घाट पर गलियों और सीढ़ियों में, जबकि मणिकर्णिका घाट में छत पर अंतिम संस्कार हो रहा है।

चित्रकूट में सड़कों पर चलीं नाव, रीवा-सतना में बस्तियां डूबीं

मध्य प्रदेश में मानसून फिर ऐक्टिव हो गया है। मऊगंज में अष्टभुजा नदी उफान पर है। बाढ़ से नईगढ़ी गांव डूब गया। यहां अमृत योजना के निर्माण कार्य में लगे 4 मजदूर फंस गए, जिनमें एक तेज बहाव में बह गया। वह करीब 2 घंटे तक मदद की गुहार लगाता रहा। डिंडौरी में भारी बारिश के चलते आंगनवाड़ी से लेकर 12वीं तक के स्कूल गुरुवार को बंद रहे। खरमेर नदी का पानी पुल के ऊपर आने से डिंडौरी-मंडला स्टेट हाईवे बंद हो गया है। पन्ना में भी 12वीं तक के सभी स्कूलों में अवकाश है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का पानी बाजार तक पहुंच गया है।

ओडिशा में बाढ़ 12.85 लाख लोग प्रभावित

अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा में बाढ़ के हालात गंभीर बने हुए हैं और छह जिलों में 12.85 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। गुरुवार को बालासोर में नए इलाकों में पानी भर गया क्योंकि सुवर्णरेखा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही थी। यूपी के कानपुर देहात में भारी बारिश से घर की छत गिर गई। मलबे में महिला और उसका बेटा दब गए। स्थानीय लोगों ने मलबा हटाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला।

भारत और जापान के बीच हो गई अहम डिफेंस डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और जापान ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए रक्षा सहयोग को और मजबूत करने का फैसला किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और जापान के रक्षा मंत्री शिंजिरो कोइजुमी ने 20 अगस्त को नई दिल्ली में इसके लिए एक द्विपक्षीय बैठक की। इस मीटिंग में दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा सहयोग पर व्यवस्था संबंधी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता दोनों देशों के बीच समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में आगे के सहयोग के लिए ढांचा उपलब्ध कराएगा। समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं के बीच व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। इस समझौते के तहत जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स और भारतीय नौसेना के बीच सहयोग मजबूत होगा, जिसमें समुद्री क्षेत्र की जानकारी साझा करना शामिल है। दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने संयुक्त बयान दिया है।

पाकिस्तान को बड़ा झटका, देखते रह गए अमेरिका और चीन!

भारत-जापान के डिफेंस मिनिस्टर की द्विपक्षीय मीटिंग

दोनों पक्ष समुद्री संचार मार्गों की सुरक्षा के लिए नौसैनिक जहाजों और सैन्य इकाइयों की पारस्परिक यात्राएं बढ़ाएंगे। संयुक्त अभ्यास, सैन्यकर्मियों और विशेषज्ञों का आदान-प्रदान भी होगा। बंदरगाहों, रखरखाव और मरम्मत सुविधाओं के इस्तेमाल के लिए भी सहयोग बढ़ाया जाएगा। नौसैनिक जहाज निर्माण में सहयोग की संभावना को भी बढ़ाया जाएगा। दोनों मंत्रियों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को तेजी से आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। उन्होंने समुद्री बारूदी सुरंगों से निपटने की क्षमता बढ़ाने में एक-दूसरे की विशेषज्ञता का लाभ उठाने की बात कही।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए बड़ी डील

दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों ने फ्री और खुले हिंद-प्रशांत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए रक्षा सहयोग और गहरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों रक्षा मंत्रियों ने मौजूदा वैश्विक तनाव के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति पर एक-दूसरे के आंकलन साझा करने को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने नौवहन और हवाई उड़ान की स्वतंत्रता और सुरक्षा में बाधा डालने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का कड़ा विरोध किया। दोनों ने बल या दबाव के जरिए यथास्थिति बदलने के किसी भी प्रयास का भी विरोध किया।

रक्षा उपकरण और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर है दोनों देशों का जोर

दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग को और आगे बढ़ाने के लिए विशेष अभियान बलों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर सहमति बनी है। भारत में एकीकृत थिएटर कमान स्थापित होने के बाद जापान के साथ इस क्षेत्र में सहयोग की संभावनाएं भी तलाशने पर सहमति बनी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जापान की ओर से रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के ढांचे की हालिया समीक्षा का स्वागत किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि जापान हिंद-प्रशांत और पूरी दुनिया में शांति और स्थिरता में आगे भी योगदान देगा। उन्होंने दोनों देशों के बीच रक्षा और प्रौद्योगिकी साझेदारी को और मजबूत करने की उम्मीद भी जताई।

सिख विरोधी दंगों के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार का निधन

● अचेत अवस्था में लाया गया था सफदरजंग अस्पताल, हुई मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1984 के सिख-विरोधी दंगों से जुड़े मामलों में दोषी ठहराए गए पूर्व कांग्रेस नेता सज्जन कुमार का गुरुवार को 80 साल की उम्र में निधन हो गया। दंगों से जुड़े मामलों में दिल्ली की तिहाड़ जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे सज्जन कुमार को सफदरजंग अस्पताल में मृत घोषित किया गया। बहरहाल, सज्जन कुमार की मृत्यु की वजहों को लेकर अभी कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि बताया जा रहा है कि सिख विरोधी दंगों में तिहाड़ जेल में बंद सज्जन कुमार जेल में ही अचेत हो गए थे। उसी अवस्था में उन्हें सफदरजंग अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

संक्षिप्त समाचार

तेजस्वी यादव रामनरेश राय के परिवार से मिले, हाजीपुर हत्याकांड पर सरकार को घेरा

हाजीपुर। हाजीपुर में BJP नेता और ठेकेदार रामनरेश राय की हत्या के आठ दिन बाद गुरुवार को बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव मृतक के आवास पर पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान उनके साथ राजद के वरिष्ठ नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी, राज्यसभा सांसद संजय यादव और आलोक कुमार मेहता सहित पार्टी के कई विधायक और नेता मौजूद थे। आवास पर पहुंचकर तेजस्वी यादव ने रामनरेश राय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद उन्होंने मृतक की पत्नी और बेटे से मुलाकात की और घटना के संबंध में डिटेल जानकारी ली। उन्होंने परिवार से आरोपियों की गिरफ्तारी, पुलिस कार्रवाई और उनकी सुरक्षा के बारे में भी पूछा। मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने बिहार की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राज्य के हर जिले में हत्या और अपराध की घटनाएं बढ़ रही हैं। रामनरेश राय की गोली मारकर हत्या एक गंभीर मामला है, और वे इस संबंध में प्रशासन से बात करेंगे। तेजस्वी यादव ने जल्द से जल्द सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने कहा कि घटना को आठ दिन बीत चुके हैं, लेकिन परिवार को अब तक यह स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है कि कितने आरोपी गिरफ्तार हुए हैं और कितने फरार हैं। इससे परिवार के लोग सहमे हुए हैं। उन्होंने प्रशासन से परिवार की सुरक्षा का भी ध्यान रखने और उन्हें जल्द सुरक्षा उपलब्ध कराने की बात कही।

महुआ थाना में शराब की बंदरबांट का वीडियो वायरल, शराब नष्ट करने के दौरान का फुटेज

हाजीपुर। वैशाली के महुआ थाना परिसर से एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कथित तौर पर जब्त शराब की बोतलों की बंदरबांट करते हुए लोग दिखाई दे रहे हैं। यह घटना न्यायालय के आदेश पर शराब विनष्टीकरण की प्रक्रिया के दौरान हुई बताई जा रही है। वायरल वीडियो में महुआ थाना में तैनात चौकीदार अंकित कुमार सहित

कई अन्य चौकीदार और कुछ लोग नजर आ रहे हैं। वीडियो में शराब और बीयर की बोतलों को एक जगह इकट्ठा करने के बाद कथित तौर पर आपस में बांटा जा रहा है। यह वीडियो सामने आने के बाद शराबबंदी वाले बिहार में पुलिस-प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, वायरल वीडियो की सत्यता और उसमें दिख रहे व्यक्तियों की भूमिका की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस मामले के सामने आने के बाद लोगों ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वे यह स्पष्टीकरण चाहते हैं कि न्यायालय के आदेश पर नष्ट की जा रही शराब को आखिर किसके निर्देश पर वहां से हटाया गया। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग भी उठ रही है।

ठेकेदार हत्याकांड के 2 शूटर गिरफ्तार पिस्टल और 20 हजार रुपए बरामद

हाजीपुर। हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के दिघी में ठेकेदार रामनरेश राय की हत्या के मामले में एसटीएफ और पटना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त कार्रवाई करते हुए पुलिस ने हत्या में शामिल दो शूटरों को दानापुर के सगुना मोड़ से गिरफ्तार किया। उनके पास से एक पिस्टल, चार कारतूस और 20 हजार रुपए नगद बरामद हुए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के भैरौपुर निवासी देवेंद्र राय के बेटे रमेश कुमार और सदर थाना क्षेत्र के बलवा कुंआरी निवासी गोरखनाथ सिंह के बेटे आदित्य प्रकाश के रूप में हुई है। पटना पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दानापुर थाना क्षेत्र के सगुना मोड़ के पास दो संदिग्ध अवैध

हथियारों के साथ किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। नगर पुलिस अधीक्षक पश्चिम के निर्देश पर, अपर पुलिस अधीक्षक दानापुर-1 के नेतृत्व में दानापुर थानाध्यक्ष की टीम ने तत्काल छापेमारी की। इस दौरान दोनों आरोपियों को हथियारों सहित गिरफ्तार कर लिया गया। इस संबंध में दानापुर थाना में कांड संख्या 919/26 दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पूछताछ में दोनों आरोपियों ने ठेकेदार रामनरेश राय की हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। आरोपियों में से एक, रमेश कुमार, हत्या के समय बाइक चला रहा था। पुलिस ने यह भी बताया कि गिरफ्तार रमेश पर बिदुपुर थाना में आर्म्स एक्ट का कांड संख्या 181/20 पहले से दर्ज है। गौरतलब है कि बीते 13 अगस्त की सुबह दिघी खुर्द में मॉर्निंग वॉक कर रहे ठेकेदार रामनरेश राय की बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था, जिसमें दो बाइक पर सवार चार बदमाश सामने से गोली चलाते हुए दिखे थे। जान बचाकर भाग रहे रामनरेश राय का पीछा कर दो बदमाशों ने उन्हें गोली मारी थी। इस मामले में मृतक की पत्नी के बयान पर सहदेव राय सहित तीन नामजद और अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने पहले ही सहदेव राय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। अब पुलिस दोनों गिरफ्तार शूटरों से पूछताछ कर फरार अन्य बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

12 अपराधियों की संपत्ति जब्त होगी, हत्या-लूट, रंगदारी मांगने वालों को चिह्नित कर रही पुलिस

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पुलिस ने जिले में अपराध और साइबर ठगी पर रोक लगाने के लिए कार्रवाई तेज कर दी है। अपराधियों की संपत्ति जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बताया कि गृह विभाग के निर्देश पर हत्या, लूट, रंगदारी, शराब तस्करी, नशे के कारोबार और साइबर फ्रॉड जैसे अपराधों में शामिल एक दर्जन अपराधियों को चिह्नित किया जा रहा है। एसएसपी ने जानकारी दी कि अब तक 12 अपराधियों की संपत्ति जब्ती का प्रस्ताव भेजा जा चुका है। इनमें से सात मामलों में न्यायालय से आदेश भी प्राप्त हो गए हैं, जबकि शेष मामलों में प्रक्रिया जारी है। अगले एक सप्ताह के भीतर अन्य चिह्नित अपराधियों की सूची तैयार कर उनकी संपत्ति जब्ती का प्रस्ताव भी भेजा जाएगा। इस साल अब तक जिले में साइबर अपराध के कुल 128 मामले दर्ज किए गए हैं। इन मामलों में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 19 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में 5 ऐसे अपराधी शामिल हैं जो 'डिजिटल अरेस्ट' के जरिए ठगी करते थे, वहीं चार अंतरराज्यीय साइबर अपराधी भी पकड़े गए हैं। अब तक ठगी की गई लगभग 6 करोड़ 43 लाख रुपए की राशि को विभिन्न बैंक खातों में होल्ड कराया गया है। इस कुल राशि में से 82 लाख 68 हजार रुपये पीड़ितों को वापस दिलाए जा चुके हैं। एसएसपी ने बताया कि मुख्यालय के निर्देश पर 'एमआरए-एम' पोर्टल के माध्यम से बिना एफआईआर दर्ज कराए भी साइबर ठगी के पीड़ितों को राशि वापस कराने की व्यवस्था शुरू की गई है। इस पहल के तहत अब तक 306 पीड़ितों को लगभग 19 लाख 37 हजार रुपये वापस कराए गए हैं। हालांकि, कुछ मामलों में न्यायालय में बॉन्ड जमा कराने की प्रक्रिया के कारण राशि लौटाने में थोड़ा समय लग रहा है। गांव-पंचायत तक पहुंचेगा साइबर जागरूकता अभियान लोगों को साइबर अपराध से बचाने के लिए हर महीने के दूसरे और चौथे मंगलवार को साइबर मंगलवार के रूप में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारी स्कूल, कॉलेज और अन्य शिक्षण संस्थानों में पहुंचकर साइबर ठगी से बचाव के तरीके बता रहे हैं। एसएसपी ने बताया कि अब अभियान को शहर और शिक्षण संस्थानों तक सीमित नहीं रखा जाएगा। इसे ग्रामीण क्षेत्रों और पंचायत स्तर तक ले जाया जाएगा। सहयोग शिविरों में भी पुलिस का स्टॉल लगाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। निजी या सरकारी स्कूल-कॉलेज अपने यहां साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कराना चाहते हैं तो साइबर थाने से संपर्क कर सकते हैं।

पीएमसीएच में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल खत्म, काम पर लौटे

मारपीट के विरोध में इमरजेंसी समेत सभी सेवाएं ठप, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग

एजेंसी, पटना

पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (PMCH) में जूनियर डॉक्टरों ने बुधवार रात अस्पताल परिसर में दो डॉक्टरों के साथ हुई मारपीट के विरोध में हड़ताल शुरू कर दी। गुरुवार को जूनियर डॉक्टरों के हड़ताल पर जाने के बाद अस्पताल की इमरजेंसी समेत सभी चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हो गईं। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (JDA) के अध्यक्ष सत्यम कुमार ने बताया कि बुधवार रात अस्पताल परिसर में अज्ञात बदमाशों ने दो जूनियर डॉक्टरों पर लाठी-डंडे और रॉड से हमला किया। इसके बाद डॉक्टरों में आक्रोश है और उन्होंने सुरक्षा की मांग को लेकर काम बंद कर दिया। हालांकि, अस्पताल अधीक्षक के समझाने और मांगों को लेकर आश्वासन मिलने के बाद 24 घंटे के भीतर ही जूनियर

डॉक्टरों ने अपना हड़ताल वापस ले लिया और काम पर लौट आए हैं।

मरीज की मौत के बाद हुआ विवाद: अस्पताल अधीक्षक प्रो. (डॉ.) राजीव कुमार सिंह ने बताया, 'करीब तीन दिन पहले पटना के गौरीचक इलाके की रहने वाली 70 वर्षीय शांति देवी को बेहद गंभीर अवस्था में PMCH में भर्ती कराया गया था। मरीज की स्थिति को देखते हुए उसे मेडिकल ICU में वेंटिलेटर पर रखा गया था। उसकी हालत लगातार बेहद क्रिटिकल बनी हुई थी।' अस्पताल प्रशासन के अनुसार, मरीज की गंभीर स्थिति की जानकारी उसके परिजनों को पहले ही दे दी गई थी। डॉक्टरों की टीम लगातार मरीज का इलाज कर रही थी। हालांकि, बुधवार देर रात इलाज के दौरान मरीज की मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजन आक्रोशित हो गए। इसी दौरान अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों और परिजनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और अस्पताल परिसर में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। अस्पताल प्रशासन का आरोप है कि इसी दौरान करीब 8 से 10 की संख्या में आए कुछ असामाजिक तत्वों ने PMCH परिसर में मौजूद फाइनल ईयर के एक छात्र पर हमला कर दिया। बीच-बचाव और विवाद के दौरान दो जूनियर डॉक्टर भी हमले की चपेट में आ गए। घटना को लेकर PMCH प्रशासन ने इसे बेहद गंभीर और दुखद बताया है। हमले में दोनों जूनियर डॉक्टरों के सिर में गंभीर चोट लगी और उनका सिर फट गया। घटना के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां दोनों को ICU में भर्ती कराया गया है। प्रशासन का कहना है कि अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों और उनके परिजनों की सुरक्षा के साथ-साथ डॉक्टरों और मेडिकल छात्रों की सुरक्षा भी बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसी घटनाओं को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। घटना के बाद PMCH परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने का निर्णय लिया गया है। अस्पताल प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। बताया गया है कि अस्पताल परिसर में जल्द ही अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

शिक्षा विभाग के डिप्टी डायरेक्टर के घर मिले 35 लाख रुपये

एजेंसी, पटना

पटना में बिहार ओपन स्कूलिंग एंड एग्जामिनेशन बोर्ड के डिप्टी डायरेक्टर अजय कुमार सिंह के घर आर्थिक अपराध इकाई (EOU) ने रेड की है। पटना वाले घर से 30 लाख कैश मिले हैं। बेगूसराय वाले घर से भी 4.50 लाख जब्त किए गए हैं। दोनों शहरों में 10 करोड़ की आलीशान कोठियां भी मिली हैं। बताया जा रहा है कि बेगूसराय वाली कोठी उन्होंने नौकरी लगने के बाद बनवाई है। आय से 90 प्रतिशत ज्यादा 3.43 करोड़ प्रॉपर्टी बनाने के मामले में EOU ने उनके पटना और बेगूसराय स्थित तीन ठिकानों पर एक साथ तलाशी जारी है। EOU की 15 सदस्यीय टीम गुरुवार सुबह 8: 30 खाजपुरा के आकाशवाणी रोड स्थित चंद्रतारा भवन पहुंची और छानबीन में जुटी है। पटना में घर से कीमती ज्वेलरी, लैंड डीड्स के डॉक्यूमेंट्स और करोड़ों के इन्वेस्टमेंट के कागजात बरामद हुए हैं। डिप्टी डायरेक्टर अजय कुमार सिंह घर पर ही मौजूद हैं, पूरे हाउस को सर्च किया जा रहा है। बेसमेंट और पार्किंग में भी आर्थिक अपराध की टीम सर्च कर रही है।

बेगूसराय में 3 गाड़ियों से पहुंची टीम: EOU के 10

अधिकारी तीन गाड़ी से भारी संख्या में पुलिस बल के साथ करीब 8: 30 बजे अजय सिंह के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के परोरा गांव स्थित पैतृक घर पर पहुंचे। जहां से एक गाड़ी से अधिकारी और पुलिस की टीम पचवीर में स्थित अजय सिंह के भाई धर्मेंद्र सिंह के बालू सीमेंट दुकान पर पहुंची। वहां करीब 1 घंटे तक कागजात खंगाले जाने के बाद सभी अधिकारी गांव परोरा आ गए ।

पैतृक आवास पर छापेमारी चल रही है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बलिया एसडीओ, साहेबपुर कमाल के बीडीओ और थानाध्यक्ष मौके पर मौजूद हैं। परोरा गांव में सबसे अधिक धनी माने जाने वाली अजय सिंह के घर के आसपास कई लोग जुट गए हैं। किसी को भी वहां जाने नहीं दिया जा रहा है। मोबाइल छीन लिए जा रहे हैं।

अस्मिता ईस्ट जोन हॉकी लीग, बिहार में होगा ट्रायल

एजेंसी, पटना

अस्मिता ईस्ट जोन हॉकी लीग 1 सितंबर से 10 सितंबर तक का गुवाहाटी में आयोजित होगा। इसके लिए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण ट्रायल आयोजित करेगा। खिलाड़ियों का यह ट्रायल 23 अगस्त को राजगीर के राज्य खेल अकादमी में आयोजित की जाएगी। महिला हॉकी प्लेयर से जिनकी जन्म तिथि 1 जनवरी 2007 से आगे है, वह इस ट्रायल में भाग ले सकती है। सभी को सुबह 9 बजे तक रिपोर्ट करना है।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रविंद्रण शंकरण ने कहा कि इस ट्रायल में जो भी सिलेक्ट होंगे, उन्हें कैंप में रखा जाएगा। भारत सरकार के दिशानिर्देश के अनुसार पूरी टीम को किट, ट्रैवल, अकोमोडेशन की पूरीव्यवस्था के साथ इस लीग में पार्टिसिपेट करने के लिए भेजा जाएगा। जितने भी बिहार

की महिला हॉकी प्लेयर से उनसे मेरा अनुरोध है कि इस ट्रायल में जरूर भाग लें।

अस्मिता ईस्ट जोन हॉकी लीग में विनर टीम को 1.80 लाख रुपए कैश प्राइज, रनर अप को 1.40 लाख रुपए कैश प्राइज, दो ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को 90 हजार रुपए कैश प्राइज मिलेंगे। अस्मिता ईस्ट जोन हॉकी लीग महिलाओं की हॉकी को बढ़ावा देने के लिए आयोजित होने वाली क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता है। यह केंद्र सरकार के खेलों इंडिया ASMITA कार्यक्रम का हिस्सा है।

पटना आए युवक की ससुराल में संदिग्ध मौत, ससुर और पत्नी पर लगाया हत्या आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के दीघा इलाके में रेलवे के बड़े कार्यालय के सामने वाली गली में एक युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। मृतक की पहचान समस्तीपुर निवासी गोलू कुमार उर्फ सोनू के रूप में हुई है। वह पिछले करीब डेढ़ महीने से अपने ससुराल में रह रहा था। घटना के बाद परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि, पुलिस ने अभी आरोपों की पुष्टि नहीं की है।

रात में भाई को फोन कर कहा- मेरे साथ मारपीट हो रही है: मृतक के बड़े भाई सचिन कुमार के मुताबिक, रात करीब 12:30 बजे सोनू ने अपने भाई सचिन के मोबाइल से उन्हें फोन किया था। उसने बताया कि ससुराल पक्ष के लोग उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। सोनू ने यह भी बताया था कि सबूत

मिटाने के लिए उसका मोबाइल पास के कुएं में फेंक दिया गया है। उसने सचिन से मौके पर आने और उसे बचाने की गुहार लगाई। रात अधिक होने के कारण सचिन ने सुबह पहुंचने की बात कही।

सुबह ससुर ने फोन कर बताया- फांसी लगा ली: सचिन के मुताबिक, सुबह करीब 5 बजे सोनू के ससुर ने फोन कर बताया कि उसने फांसी लगा ली है। सूचना मिलने के करीब 10-15 मिनट बाद सचिन स्कूटी से मौके पर पहुंचा। उसका कहना है कि सोनू का मोबाइल और जिस नंबर से रात में फोन आया थास दोनों फोन अब तक नहीं मिला है। वहीं, सोनू के ससुर और बड़ा साला भी सुबह से नजर नहीं आए हैं।

> **रात में फोन कर बोला था- मारपीट कर रहे हैं, बचा लो**

बड़े भाई ने पत्नी पर भी लगाए आरोप: सचिन ने आरोप लगाया कि सोनू की पत्नी अक्सर उससे कहती थी, "जा मर जा।" हालांकि, इन आरोपों की पुलिस ने अभी पुष्टि नहीं की है और यह जांच का विषय है। सोनू पिछले करीब डेढ़ महीने से अपने ससुराल में रह रहा था। वह फर्नीचर का काम करता था, लेकिन काम ठीक नहीं चलने के कारण उसके ससुर ने अपने साथ ई-रिक्शा चलाने के लिए उसे ससुराल बुलाया था।

FSL टीम ने जुटाए साक्ष्य: घटना की सूचना मिलने के बाद दीघा थानेदार अवनीश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच के लिए FSL टीम को भी बुलाया। FSL टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट और FSL जांच के आधार पर युवक की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है। साथ ही मृतक के परिजनों के आरोपों और घटनाक्रम के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

नोटिस पाने वाले मकान मालिकों की हो रही सुनवाई, पीड़ित बोले- सरकार चुनाव के समय 10 हजार बांटी, उसे अब वसूल रही है

एजेंसी, पटना

पटना के रिहायशी इलाकों में बड़ी संख्या में मकानों का इस्तेमाल व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। नगर निगम की जांच में ऐसे 26,745 मकानों की पहचान हुई है, उन्हें नोटिस भेजा जा रहा है। नोटिस पाने वाले मकान मालिकों को अपनी संपत्ति से जुड़े दस्तावेज और व्यावसायिक गतिविधि को लेकर अपना पक्ष रखने का मौका दिया जा रहा है। अंचल स्तर पर सुनवाई की प्रक्रिया भी चल रही है। आज नूतन राजधानी अंचल में सुनवाई है। बड़ी संख्या में लोग अपने शिकायत लेकर यहां पहुंचे हैं। कुछ लोगों ने कहा कि मेरा G+4 बिल्डिंग है, मगर मुझे G+6 का कमर्शियल टैक्स लिया जा रहा है। वहीं, कुछ लोगों ने कहा कि जो सरकर चुनाव के समय 10 हज़ार रुपये बांटी है उसे ही अब वसूल रही है।

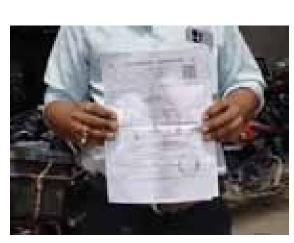

टैक्स ही जमा कर रहे, नोटिस देने का क्या मतलब- राजीव कुमार: वार्ड-11 के राजीव कुमार ने कहा, 'दो-तीन दिन पहले मुझे नोटिस आया था। हम लोग पिछले कई सालों से कमर्शियल टैक्स ही जमा कर रहे हैं, तो अभी नोटिस देने का क्या मतलब है। हम लोग अगर कमर्शियल टैक्स जमा कर रहे हैं तो उस कमर्शियल की तरह ही इस्तेमाल करेंगे।'

वार्ड-4 के उपेंद्र नाथ ने कहा, '16 अगस्त को मुझे नोटिस आया था, जबकि हमारे घर में कोई भी कमर्शियल एक्टिविटी नहीं है। मैं अपने परिवार के साथ पटना कॉलेज इलाके में रहता हूं। वहीं, शेखपुरा इलाके में हमारा एक और घर है, जहां नोटिस आया है। यह घर हमेशा बंद ही रहता है। अगल-बगल जहां कमर्शियल एक्टिविटी हो रही है, वहां वहां नोटिस नहीं भेजा गया है।'

अमित राज ने कहा, 'मेरा घर वार्ड नंबर 18 में है, जो कि G+4 बिल्डिंग है, मगर मुझे G+6 का कमर्शियल टैक्स लिया जा रहा है। नोटिस मिलने के बाद जब मैं टैक्स जमा करने गया और उससे संबंधित डिटेल निकाला, तब इस बात का खुलासा हुआ। नगर निगम ने आवासीय मकानों के व्यावसायिक इस्तेमाल की जानकारी जुटाने के लिए सबसे पहले प्रॉपर्टी आईडी के आधार पर डिजिटल सूची तैयार की। इसके बाद वार्ड स्तर पर कर्मचारियों ने मौके पर जाकर भौतिक सत्यापन किया। जांच में कई ऐसे मकान मिले, जहां आवासीय भवन में अलग-अलग तरह की व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं। नगर निगम के मुताबिक, कुछ मकान मालिक पहले से ही व्यावसायिक दर पर टैक्स का भुगतान कर रहे हैं। हालांकि किसी संपत्ति का इस्तेमाल नियमों के मुताबिक वैध है या नहीं, इसका अंतिम फैसला सुनवाई और दस्तावेजों की जांच के बाद किया जाएगा।

रिहायशी परिसरों में सबसे अधिक दुकानें और व्यावसायिक कार्यालय संचालित होते मिले हैं। इसके अलावा पार्किंग, मैरिज हॉल, अस्पताल, हॉस्टल, कोचिंग संस्थान, स्कूल, गोदाम, गेस्ट हाउस और रेस्टोरेंट जैसी गतिविधियां भी चिन्हित की गई हैं। नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक, आवासीय इलाकों में 194 गेस्ट हाउस, 154 छोटे उद्योग और 106 होटल संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा 15 कॉलेज, 39 हेल्थ क्लब, 70 नर्सिंग होम और 37 रेस्टोरेंट भी सूची में शामिल हैं।

तेजस्वी के लोकभवन मार्च पर संजय झा का तंज

बोले-पानी में कूदकर वीडियो बनाने से नहीं होगी राजनीति

एजेंसी, पटना

जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के लोकभवन मार्च और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को लेकर निशाना साधा है। इसके साथ ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के बुधवार के लोकभवन मार्च के दौरान बीजेपी कार्यालय के सामने लगाए गए नारों को लेकर बिहार की सियासत गरमा गई है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने इस पोस्ट को लेकर पलटवार किया है।

तेजस्वी नॉन इश्यू को इश्यू बनाने की कोशिश कर रहे- संजय झा: संजय झा ने कहा, 'तेजस्वी यादव नॉन इश्यू को इश्यू बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जो मामला पहले ही सेटल हो चुका है, उसे राजनीतिक मुद्दा बनाकर

चमकाने का प्रयास किया जा रहा है। विपक्ष को सरकार के कामकाज पर ठोस और गंभीर सवाल उठाने चाहिए।' उन्होंने कहा, 'तेजस्वी यादव ऐसे मुद्दों को उठाकर राजनीतिक चमकाने की कोशिश कर रहे हैं, जो पहले ही सेटल हो चुके हैं। हालिया चुनाव का परिणाम सामने है। संजय झा ने कहा, 'विपक्ष के नेता का मजबूत रहना लोकतंत्र के लिए जरूरी है, लेकिन तेजस्वी यादव की राजनीति में कोई ठोस मुद्दा नजर नहीं आ रहा है।

मेट्रो निर्माण के कारण आज से बदला ट्रैफिक रूट

एजेंसी, पटना

पटना में मेट्रो निर्माण के कारण बेली रोड पर बढ़ रहे ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए बड़ा बदलाव किया गया है। आज से चिड़ियाघर गेट नंबर-1 से इनकम टैक्स गोलंबर तक व्यावसायिक वाहनों के परिचालन को स्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा। पुनाईचक के पास बढ़ते दबाव को देखते हुए ऑटो और ई-रिक्शा अब विश्वेश्वरैया भवन के पीछे वाली सड़क से गुजरेंगे। यह रूट पुनाईचक रोड होते हुए अटल पथ और फिर महेश नगर अंडरपास के रास्ते बोरिंग कैनाल रोड की ओर जाएगा।

बेली रोड पर फिलहाल तीन जगहों पर मेट्रो का काम चल रहा है। इसमें राजवंशी नगर हनुमान मंदिर के पास स्थिति सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है। यहां सुबह 9 से 11

और शाम 5 से रात 8 बजे तक भारी जाम रहता है।

यातायात पुलिस के मुताबिक, ऑटो, ई-रिक्शा और सिटी बसों के कारण चिड़ियाघर, हनुमान मंदिर, विकास भवन और नियोजन भवन के आसपास लगातार दबाव बना रहता है। नए प्लान से यहां के लोगों को राहत मिलेगी। बुद्ध मार्ग पर भी ट्रैफिक की समस्या बनी हुई है। जीपीओ गोलंबर से कोतवाली थाना के बीच व्यावसायिक वाहनों की संख्या अधिक होने से सड़क पर दबाव बढ़ रहा है।

पटना में मेगा जॉब फेयर का दूसरा दिन, 20 हजार नौकरी देने का लक्ष्य, 112 से ज्यादा कंपनियां पहुंचीं

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार की ओर से आयोजित सबसे बड़े 'मेगा जॉब फेयर 2026' का आज दूसरा दिन है। पटना के ज्ञान भवन में पांच दिवसीय रोजगार मेले में दूसरे दिन भी सुबह से ही बड़ी संख्या में युवा नौकरी की तलाश में पहुंचे। रोजगार मेला 23 अगस्त तक चलेगा। हर दिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक युवा अलग-अलग कंपनियों में नौकरी के लिए इंटरव्यू दे सकेंगे। युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग और बिहार कौशल विकास मिशन की ओर से आयोजित इस रोजगार मेले का उद्देश्य बिहार के 20 हजार से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराना है। मेले में युवाओं को एक ही जगह पर अलग-अलग कंपनियों से जुड़ने और अपनी योग्यता के अनुसार नौकरी के लिए इंटरव्यू देने का मौका मिल रहा है।

सुबह से ही ज्ञान भवन में युवाओं की भीड़: ज्ञान भवन में सुबह से ही नौकरी की

तलाश में पहुंचे युवाओं की लंबी कतार देखने को मिल रही है। यहां पहुंचने वाले उम्मीदवारों की पहले हाजिरी लगाई जा रही है और इसके बाद उन्हें टोकन दिया जा रहा है। टोकन मिलने के बाद युवा अपनी योग्यता और रुचि के अनुसार अलग-अलग कंपनियों के स्टॉल पर जाकर जानकारी ले रहे हैं और इंटरव्यू दे रहे हैं।

मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने किया औपचारिक उद्घाटन: मेगा जॉब फेयर का औपचारिक उद्घाटन कल युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग के मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने किया। राज्य सरकार इस रोजगार मेले को युवाओं को निजी क्षेत्र की नौकरियों से सीधे जोड़ने की बड़ी पहल के तौर पर देख रही है। सरकार के मुताबिक, कुछ पदों पर बिना लिखित परीक्षा के ऑन-द-स्पॉट भर्ती का भी अवसर मिलेगा। मेगा जॉब फेयर में 112 से ज्यादा कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। बैंकिंग, फाइनेंस, रिटेल, ई-कॉमर्स, आईटी, लॉजिस्टिक्स समेत कई क्षेत्रों की कंपनियां यहां पहुंची हैं। कंपनियां अपनी जरूरत के अनुसार युवाओं का चयन कर रही हैं। इस रोजगार मेले में केवल ग्रेजुएट युवाओं को ही नहीं, बल्कि अलग-अलग शैक्षणिक योग्यता रखने वाले उम्मीदवारों को नौकरी का अवसर मिल रहा है। उम्मीदवार का कम से कम 10वीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा 12वीं पास, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, आईटीआई और डिप्लोमा धारक युवा भी अपनी योग्यता और अनुभव के अनुसार विभिन्न पदों के लिए इंटरव्यू दे सकते हैं।

योजनाओं के लिए शीघ्र भूमि चिह्नित कर एनओसी दें अंचलाधिकारी : डीएम

नीलाम पत्रवाद के लंबित मामलों में तेजी लाने और बड़े बकायादारों पर कार्रवाई का निर्देश

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद भवन सभागार में बुधवार को जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों तथा कार्य विभागों के अभियंताओं की अंतर्विभागीय समन्वय बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने की। उन्होंने सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन योजनाओं के लिए भूमि की आवश्यकता है, संबंधित पदाधिकारी स्वयं भूमि चिह्नित कर अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित करें और शीघ्र अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करें। उप विकास आयुक्त ने बताया कि जिले की 262 पंचायतों में खेल मैदान का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि 132 स्थानों पर भूमि संबंधी एनओसी लंबित है। डीएम ने संबंधित अंचलाधिकारियों को जल्द भूमि चिह्नित कर एनओसी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। बैठक में जिले के 112 हाट-बाजारों में अतिक्रमण की जानकारी भी दी गई। डीएम ने अंचलाधिकारियों को सूची के आधार पर जांच कर संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करने तथा नियमानुसार अतिक्रमणवाद चलाने का निर्देश दिया। मनरेगा के तहत जिले में 105 आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण लंबित होने की जानकारी पर जिलाधिकारी ने संबंधित सीडीपीओ को अंचलाधिकारी से समन्वय कर भूमि चिह्नित कराने और एनओसी प्राप्त करने को कहा। वहीं, पंचायत सरकार भवन के लिए चिह्नित 14 भूखंडों से जुड़े भूमि विवादों का विभागीय दिशा-निर्देश के अनुसार शीघ्र समाधान करने का निर्देश बीडीओ, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारियों को दिया गया। सिविल सर्जन ने बताया कि बंजरिया एवं रामगढ़वा अंचल में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तथा जिले में 15 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर/उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए भूमि की आवश्यकता है। डीएम ने सभी संबंधित विभागों को भूमि चिह्नित कर अंचलाधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए एनओसी लेने का निर्देश दिया। बैठक में 60 आंगनबाड़ी केंद्रों के समीप के विद्यालयों में शिफ्ट होने का मामला भी उठा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि यदि विद्यालय परिसर में पर्याप्त जगह उपलब्ध है तो वहीं आंगनबाड़ी केंद्र के लिए कमरा निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया जाए।

नीलाम पत्रवाद के मामलों को गंभीरता से लें अधिकारी– नीलाम पत्रवाद के मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को लंबित मामलों में गंभीरता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने बड़े बकायादारों को चिह्नित कर विहित प्रक्रिया के तहत वारंट जारी करने को कहा। साथ ही प्रखंड एवं अंचल स्तर पर बड़े बकायादारों की सूची मीडिया को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि उनके नाम समाचार पत्रों में प्रकाशित किए जा सकें। पुलिस उपाधीक्षक, मुख्यालय ने बताया कि नीलाम पत्रवाद से संबंधित कुल 1,985 मामले प्राप्त हुए हैं, जिनमें 795 मामलों का निष्पादन किया जा चुका है। वर्तमान में 1,190 मामले लंबित हैं, जिन पर कार्रवाई जारी है।

सहयोग पोर्टल के आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण समाधान करें– जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने अधिकारियों को सहयोग पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय पदाधिकारी समय पर कार्यालय में उपलब्ध रहें, आम लोगों से मिलें और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर नियमानुसार समाधान करें। स्थानीय समस्याओं का निराकरण आपसी समन्वय से तत्काल किया जाए और अधिकारी एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालने से बचें। उन्होंने जिला एवं डीएम कार्यालय से क्षेत्रीय कार्यालयों को भेजे जाने वाले पत्रों का सही तरीके से लॉगबुक संधारण करने तथा समय पर जवाब उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सभी विभागीय पदाधिकारियों को अपने कार्यालयों का स्वयं निरीक्षण करने को भी कहा गया।

जिलाधिकारी ने निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों को आयकर एवं जीएसटी कटौती का रिटर्न समय पर दाखिल करने तथा पथ निर्माण विभाग के अभियंताओं को बरसात के दौरान सड़कों पर बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत कर उन्हें मोटरेबल बनाने का निर्देश दिया, ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बैठक में नगर आयुक्त आशीष कुमार, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा, उप विकास आयुक्त डॉ. प्रदीप कुमार, एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र कुमार भारती, एडीएम विभागीय जांच मो. सिबगतुल्लाह, सहायक समाहर्ता राजकृष्ण झा, सिविल सर्जन डॉ. दिलीप कुमार सिंह, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, जिला स्तरीय पदाधिकारी, बीडीओ, अंचलाधिकारी, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कार्य विभागों के कार्यपालक अभियंता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मीना बाजार में बाइक की डिक्की से 90 हजार रुपये उड़े, नवीन मिश्रा की माता के श्राद्धकर्म के लिए निकालने गए थे पैसे

बीएनएम@ मोतिहारी। शहर के व्यस्ततम मीना बाजार इलाके में दिनदहाड़े चोरी की एक बड़ी और सनसनीखेज वारदात सामने आई है। शहर के बीचोबीच श्री साईं जींस कॉर्नर दुकान के पास अज्ञात बदमाशों ने बड़ी सफाई से बाइक की डिक्की तोड़कर 90 हजार रुपये उड़ा लिए। इस घटना के बाद पीड़ित परिवार में कोहराम मच गया है और इलाके के दुकानदारों व आम लोगों में सुरक्षा को लेकर भारी चिंता व्याप्त है। सिविल कोर्ट मोतिहारी स्थित एनडीपीएस कोर्ट-2 में ऑफिस क्लर्क के पद पर कार्यरत नवीन कुमार मिश्रा के पिता मुफस्सिल थाना अन्तर्गत पतौरा निवासी मंकेश्वर नाथ मिश्रा शुक्रवार की सुबह करीब 10:30 बजे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की बाजार शाखा से 90 हजार रुपये की नकदी निकालकर ला रहे थे। यह राशि मंकेश्वर नाथ मिश्रा की दिवंगत पत्नी व नवीन कुमार मिश्रा की दिवंगत माता के श्राद्धकर्म के कार्यों को पूरा करने के लिए निकाली गई थी। बुजुर्ग पिता पूरी सावधानी के साथ पैसे को अपनी बाइक की डिक्की में रखकर घर की ओर आ रहे थे। पीड़ित द्वारा नगर थाना में दिए गए आवेदन के मुताबिक, जैसे ही वे मीना बाजार स्थित श्री साईं जींस कॉर्नर दुकान के पास पहुंचे, वहां पहले से घात लगाए बैठे दो अज्ञात शातिर बाइक सवार बदमाशों ने उनकी बाइक को निशाना बनाया। बदमाशों ने मौका पाकर बाइक की डिक्की से 90 हजार रुपये से भरा बैग निकाल लिया और किसी को संभलने का मौका दिए बिना तेजी से वहां से फरार हो गए। दिनदहाड़े हुई इस शातिर चोरी की घटना से पीड़ित बुजुर्ग पूरी तरह हताश और बेसुध हो गए हैं। श्राद्धकर्म जैसे बेहद संवेदनशील और जरूरी मौके पर हुई इस बड़ी चोरी की घटना से पीड़ित परिवार और उनके शुभचिंतकों में भारी आक्रोश है। इस दुखद और मुसीबत की घड़ी में पीड़ित परिवार को मोतिहारी के तेजतर्रार और सख्त पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात से न्याय की पूरी उम्मीद है। परिवार और शहरवासियों को पूरा भरोसा है कि एसपी स्वर्ण प्रभात के नेतृत्व में पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द उन शातिर चोरों को बेनकाब करेगी और उनके पैसे की रिकवरी (बरामदगी) सुनिश्चित करेगी।

'अपना घर' कार्यक्रम': मोहिउद्दीननगर में लाभुकों को गृह प्रवेश के लिए चाबी व शुभकामना पत्रक मिले

बीएनएम@ समस्तीपुर । मोहिउद्दीन नगर प्रखंड मुख्यालय स्थित पंचायत समिति भवन में गुरुवार को ग्रामीण विकास विभाग के तत्वावधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अपना घर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी नवकंज कुमार ने की। इस दौरान अपना पक्का मकान बनाकर रह रहे लाभुकों के बीच शुभकामना संदेश पत्रक वितरित किए गए। वहीं, नवनिर्मित मकान के लाभुकों को गृह प्रवेश के लिए चाबी सौंपी गई। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रथम किस्त की स्वीकृति प्राप्त करने वाले लाभुकों को शीघ्र घर निर्माण शुरू करने के लिए प्रेरित किया गया तथा आवास निर्माण को लेकर जागरूक किया गया। कार्यक्रम में भारत सरकार के केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित बिहार सरकार के मंत्रियों के संबोधन का लाभुकों, जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों ने प्रोजेक्टर के माध्यम से सीधा प्रसारण देखा और सुना। मौके पर विधायक प्रतिनिधि रविश कुमार सिंह, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी अभिषेक कुमार, मोहिउद्दीननगर उत्तर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि हिमांशु कुमार, प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष रितेश चौधरी, मुखिया जय राम शर्मा सहित सभी प्रधानमंत्री आवास योजना के आवास सहायक मौजूद रहे।

'हरि' को मिला महाकवि आरसी प्रसाद सिंह शिखर सम्मान

बीएनएम@ समस्तीपुरः मोहनपुर प्रखंड क्षेत्र जौनापुर निवासी चर्चित साहित्यकार हरिनारायण सिंह 'हरि' को उनके साहित्यिक योगदान के लिए प्रतिष्ठित महाकवि आरसी प्रसाद सिंह शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें रोसड़ा में साहित्यिक संस्था 'साहित्य संगम' की ओर से आयोजित साहित्यिक समारोह में प्रदान किया गया। समारोह का आयोजन हिन्दी एवं मैथिली के महाकवि आरसी प्रसाद सिंह की 125वीं जयंती के अवसर पर किया गया था। खास बात यह रही कि साहित्यकार हरिनारायण सिंह 'हरि' को समारोह में उद्घाटनकर्ता के रूप में भी आमंत्रित किया गया था। सम्मान प्राप्त करने पर साहित्यिक जगत से जुड़े लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल साहित्यिक भविष्य की कामना की। समारोह में साहित्य संगम के अध्यक्ष अनिरुद्ध झा 'दिवाकर', महासचिव संजीव कुमार सिंह, यूआर कॉलेज रोसड़ा के पूर्व प्रधानाचार्य प्रो. शिवशंकर प्रसाद सिंह, रोसड़ा के अवर निबंधक डॉ. ज्योति भास्कर, बापू टावर, पटना के उपनिदेशक ललित कुमार सिंह, साहित्यकार अशांत भोला सिंह, रमाकांत राय 'रमा', नरेंद्र कुमार सिंह, रंजना लता एवं शिवकुमार सुमन सहित कई साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे।साहित्यकार हरिनारायण सिंह 'हरि' की इस उपलब्धि पर विधायक राजेश कुमार सिंह, पूर्व जिला पार्षद रामचंद्र सिंह, साहित्यकार बैद्यनाथ पंडित 'प्रभाकर', ईश्वर करुण, अश्विनी कुमार आलोक, मुकेश कुमार 'मृदुल' एवं पर्यावरणसेवी सुजीत भगत सहित अन्य लोगों ने बधाई दी है।

डीएम ने जनता दरबार में सुनी 50 से अधिक समस्याएं

पदाधिकारियों को निर्देश - अधिकाधिक समस्याओं का ऑन द स्पॉट करें निवारण

बीएनएम@ गयाजी। समाहरणालय में आयोजित जनता दरबार में डीएम शशांक शुभंकर ने जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए लगभग 50 से अधिक आमजनों की समस्याएँ सुनीं। इस अवसर पर भूमि विवाद, आवास योजना, स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी शिकायतें, पेंशन योजना, मुआवजा, घरेलू हिंसा, शिक्षा विभाग से संबंधित विषयों समेत अन्य मामलों को लोगों ने डीएम के समक्ष रखा। डीएम श्री शुभंकर ने उपस्थित अधिकारियों को संबंधित प्रकरणों का त्वरित एवं निष्पक्ष निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं का समयबद्ध समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है और प्रत्येक विभागीय पदाधिकारी इस दिशा में गंभीरता से कार्य करें।

फायरिंग रेंज के पास हथियार सप्लायर गिरफ्तार, पांच पिस्टल बरामद

बीएनएम@ तुरकौलिया

रघुनाथपुर थाना क्षेत्र के मजूराहा फायरिंग रेंज के समीप पुलिस ने एक अंतरजिला हथियार सप्लायर को गिरफ्तार कर उसके पास से पांच देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और 10 मैगजीन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान समस्तीपुर जिले के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के मुस्तफापुर निवासी मोहम्मद अहमद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि एक हथियार तस्कर भारी मात्रा में अवैध हथियार लेकर सप्लाई करने फायरिंग रेंज की ओर पहुंचा है। सूचना पर एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर सदर एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम के पहुंचते ही एक युवक झोला लेकर भागने लगा, जिसे खदेड़कर पकड़ लिया गया। तलाशी में झोले से पांच देशी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस और 10 मैगजीन बरामद हुए।

मुंगेर कनेक्शन की जांच– एसडीपीओ दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि पूछताछ में कई अहम सुराग मिले हैं और इस नेटवर्क का तार मुंगेर से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस पूरे गिरोह का पता लगाने के लिए आगे की कार्रवाई में जुटी है।

छापेमारी दल में इंस्पेक्टर धर्मवीर भारती, रघुनाथपुर थानाध्यक्ष धनंजय कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

राजीव गांधी ने 21वीं सदी के भारत की नींव रखी : गप्पू राय

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी की 82वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को बंजरिया स्थित गांधी आश्रम पंडाल में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष ई. शशि भूषण राय उर्फ गप्पू राय ने की। समारोह को संबोधित करते हुए गप्पू राय ने कहा कि राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल में भारत को 21वीं सदी की ओर अग्रसर करने की मजबूत नींव रखी। उन्होंने कंप्यूटर, दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में क्रांतिकारी पहल की तथा युवाओं को लोकतंत्र से जोड़ने के लिए मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की। उन्होंने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने, राजनीति में पारदर्शिता लाने के लिए दल-बदल कानून लागू करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थापना जैसे ऐतिहासिक कदम राजीव गांधी की दूरदर्शी सोच का परिणाम थे। बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान की शुरुआत भी उनके कार्यकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। गप्पू राय ने कहा कि असम, पंजाब और मिजोरम समझौतों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता और शांति को मजबूत किया गया तथा आतंकवाद से मुकाबले के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) का गठन किया गया। उन्होंने कहा कि देश की अखंडता के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले राजीव गांधी को राष्ट्र सदैव याद रखेगा। इस अवसर पर विजय शंकर पांडेय, विनय कुमार सिंह, मदन प्रसाद कुशवाहा, रामप्रवेश तिवारी, अजहर हुसैन अंसारी, रंजीत पांडेय, चुमन जायसवाल, ओसैदुर्र रहमान खान सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हरसिद्धि पुलिस ने महज 12 घंटे में की हत्या का खुलासा, बेटा ही निकला मां का कातिल

पुलिस ने 89,650 रुपये नकद, खून लगा डैगर चाकू, चप्पल, खून व मिट्टी लगे कपड़े तथा एक मोबाइल फोन किया बरामद

बीएनएम@ हरसिद्धि/मोतिहारी

हरसिद्धि थाना पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर महिला हत्या कांड का सफल उद्भेदन करते हुए मृतका के पुत्र आलम हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर 89,650 रुपये नकद, खून लगा डैगर चाकू, चप्पल, खून व मिट्टी लगे कपड़े तथा एक मोबाइल फोन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार 19 अगस्त को बनकटवा निवासी झुमन मियां ने हरसिद्धि थाने में आवेदन देकर बताया था कि उनकी पत्नी नजमा खातून अपने पुत्र आलम हुसैन के साथ अरेराज स्थित बैंक से 45 हजार रुपये निकालकर घर लौट रही थीं। खोरी-पकड़ी चिमनी के समीप चार बदमाशों द्वारा रुपये लूटने और नजमा खातून की हत्या की सूचना दी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर अरेराज एसडीपीओ रवि कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज, घटनास्थल के साक्ष्य और वैज्ञानिक अनुसंधान में आलम हुसैन के बयान लगातार बदलते रहे। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने पहले अरेराज से डैगर खरीदा और सुनसान स्थान पर ईख के खेत में ले जाकर अपनी मां की गर्दन पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद रुपये लेकर घटना को लूट का रूप देने के लिए सड़क पर लेटकर ग्रामीणों को झूठी कहानी सुनाई। छापेमारी दल में एसडीपीओ रवि कुमार के अलावा हरसिद्धि थानाध्यक्ष सुनील कुमार, अपर थानाध्यक्ष अभिनव कुमार, पुलिस पदाधिकारी रामबाबू यादव, अरविंद सिंह, नेहा वर्मा, नागमणि अक्षय कुमार तथा हरसिद्धि थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए मामले में अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है।

प्रो. अरुण कुमार भगत बने मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय बिहार के मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में प्रो. अरुण कुमार भगत ने डॉ. अंजनी कुमार झा से पदभार ग्रहण किया। प्रो. भगत के विभागाध्यक्ष के कार्यकाल के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय कुमार श्रीवास्तव ने शुभकामनाएं दी। प्रो. अरुण कुमार भगत इस विभाग के संस्थापक विभागाध्यक्ष भी रहे हैं, साथ ही सीएसआईसीटी स्कूल के अधिष्ठाता भी रहे हैं। प्रो. अरुण कुमार भगत 06 वर्ष बिहार लोक सेवा आयोग में अपनी सेवा प्रदान कर पुनःश्च विभाग में आए हैं। उनकी 55 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित है। साथ ही दर्जनों शोध आलेख प्रकाशित है। 100 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया है। प्रो. भगत ने भारत सरकार के शिक्षा से संबंधित अनेक समितियों में अपनी सेवाएं प्रदान की है। प्रो. भगत ने विश्व हिंदी सम्मेलन में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए मॉरीशस और फिजी समेत कई अन्य देशों को यात्रा की है। प्रो. भगत कई विश्वविद्यालयों के विद्या परिषद एवं कार्य परिषद के भी सदस्य रहे हैं। उनके आने से शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों में हर्ष एवं उल्लास का वातावरण है। उनके पद भार ग्रहण करते समय विभागीय शिक्षक डॉ. साकेत रमन, डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र, डॉ. सुनील दीपक घोडके, डॉ. उमा यादव एवं शोधार्थी उपस्थित थे। प्रो. भगत को विभागीय शिक्षकों ने भी बधाई एवं शुभकामनाएं की है।

रामगढ़वा में श्रमिक अधिकार व सामाजिक सुरक्षा पर विशेष सम्मेलन

» **ईपीएफओ और ईएसआईसी योजनाओं की दी गई विस्तृत जानकारी**

बीएनएम@ विजय कुमार

रामगढ़वा | भारतीय रेलवे माल गोदाम श्रमिक संघ के तत्वावधान में रामगढ़वा के मुख्य रोड स्थित राजेश मैरेज हॉल में श्रमिकों के अधिकार एवं सामाजिक सुरक्षा विषय पर एक दिवसीय विशेष सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में रेलवे माल गोदाम के श्रमिकों और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) और कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) की योजनाओं, उनके अधिकारों तथा पंजीकरण प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देना था। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाएं श्रमिकों के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। सम्मेलन का उद्घाटन बिनोद कुमार यादव एवं मुख्य अतिथि शिवबालक पासवान ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि ने श्रमिकों से संगठित रहकर अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया तथा संगठन की मजबूती पर बल दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में ऑपरेटर रवि श्रीवास्तव की अहम भूमिका रही। इस अवसर पर सुभाष सिंह, भोला पटेल, दिलीप कुमार सिंह, रविकांत रंजन सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में श्रमिकों ने सामाजिक सुरक्षा संबंधी जानकारी को उपयोगी बताते हुए संगठन के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त की।

संक्षिप्त समाचार

पीएमसीएच में जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल वापस ली
सुरक्षा नहीं सुधरी तो फिर आंदोलन की चेतावनी

बीएनएम@ पटना। पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) में जूनियर डॉक्टरों पर हुए हमले के विरोध में गुरुवार को की गई हड़ताल करीब दो घंटे बाद समाप्त हो गई। अस्पताल अधीक्षक के साथ वार्ता और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के आश्वासन के बाद जूनियर डॉक्टरों ने काम पर लौटने का निर्णय लिया। हालांकि डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा व्यवस्था में जल्द सुधार नहीं हुआ तो वे दोबारा आंदोलन का रास्ता अपना सकते हैं। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जेडीए) के अनुसार, बुधवार देर रात अस्पताल परिसर में दो जूनियर डॉक्टरों पर अज्ञात बदमाशों ने लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। दोनों डॉक्टरों को चोटें आईं। घटना की जानकारी मिलने के बाद जूनियर डॉक्टरों में आक्रोश फैल गया और गुरुवार सुबह उन्होंने हड़ताल शुरू कर दी। हड़ताल के कारण पीएमसीएच की इमरजेंसी, ओपीडी समेत कई चिकित्सा सेवाएं प्रभावित हुईं। बड़ी संख्या में मरीज और उनके परिजन परेशान रहे। अस्पताल अधीक्षक ने जूनियर डॉक्टरों से बातचीत कर सुरक्षा संबंधी आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने हड़ताल समाप्त कर ड्यूटी संभाल ली। जेडीए ने कहा कि आश्वासन के बावजूद यदि सुरक्षा व्यवस्था में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ तो आगे कड़ा निर्णय लिया जाएगा।

नवलपुर थाना में हंगामे के बाद वायरल वीडियो से बढ़ा विवाद
पुलिस पर बल प्रयोग का आरोप

बीएनएम@ योगापट्टी संवाददाताः योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के नवलपुर थाना परिसर में मंगलवार की रात एक नाबालिग युवती के अपहरण मामले में नामजद महिला की गिरफ्तारी को लेकर भारी हंगामा हुआ। पुलिस के अनुसार, चनपटिया थाना क्षेत्र से किरण देवी की गिरफ्तारी के बाद करीब 15 से 20 लोग थाना पहुंचे और ओडी कक्ष में प्रवेश कर पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की व गाली-गलौज की। स्थिति अनियंत्रित होते देख पुलिस को भीड़ को संभालने के लिए हल्का बल प्रयोग करना पड़ा, जिसके दौरान नौ लोगों को हिरासत में लिया गया। इस घटना का एक तेजी से वायरल हो रहा वीडियो भी सामने आया है, जिसमें नवलपुर थानाध्यक्ष देवेंद्र कुमार कुछ युवकों के साथ मारपीट करते नजर आ रहे हैं। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि वायरल वीडियो में दिख रही यह कार्रवाई भीड़ को नियंत्रित करने और गिरफ्तार महिला को छुड़ाने आए उपद्रवियों को खदेड़ने के दौरान की थी। फिलहाल, पुलिस वायरल वीडियो की तकनीकी जांच करने के साथ-साथ हिरासत में लिए गए लोगों से गहनता से पूछताछ कर रही है, ताकि पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता का पता लगाया जा सके। हालांकि, इस पूरे मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर विभिन्न चर्चाओं का दौर जारी है और प्रातः आवाज अखबार इस वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

JDU विधायक पप्पू पांडेय समेत तीन पर आरोप तय
सात साल पुराने फायरिंग मामले में कार्रवाई

बीएनएम@ पटना/गोपालगंज। कुचायकोट से जदयू विधायक अमरेंद्र कुमार पांडेय उर्फ पप्पू पांडेय की कानूनी मुश्किलें बढ़ गई हैं। गोपालगंज की विशेष MP-MLA अदालत ने करीब सात साल पुराने जानलेवा फायरिंग मामले में विधायक पप्पू पांडेय, उनके भाई सतीश पांडेय और भतीजे मुकेश पांडेय के खिलाफ आरोप गठित कर दिए हैं। मामला 2019 में मीरगंज थाना क्षेत्र में हुई फायरिंग से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, मीरगंज थाना क्षेत्र के नयागांव तुलसिया सिंगहा टोला निवासी फूलमती कुंवर ने वर्ष 2019 में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उनके बेटे अभिमन्यु तिवारी को जान से मारने की नीयत से गोलीबारी की गई। प्राथमिकी में विधायक और उनके परिजनों को भी नामजद आरोपी बनाया गया था। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने विधायक अमरेंद्र कुमार पांडेय, सतीश पांडेय और मुकेश पांडेय के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। इसी चार्जशीट के आधार पर विशेष अदालत ने अब तीनों के खिलाफ आरोप तय किए हैं।

अनंत सिंह ने नीतीश कुमार से की मुलाकात
बांकीपुर बयान के बाद बढ़ी सियासी चर्चा

बीएनएम@ पटना। मोकामा से जदयू विधायक अनंत सिंह ने गुरुवार सुबह बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें सामने आने के बाद बिहार की सियासत में चर्चा तेज हो गई है। तस्वीरों में अनंत सिंह हाथ जोड़कर मुस्कुराते हुए नीतीश कुमार का अभिवादन करते नजर आ रहे हैं, जबकि नीतीश कुमार ने भी हाथ जोड़कर उनका जवाब दिया। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब हाल में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की हार को लेकर अनंत सिंह के बयान चर्चा में रहे हैं। अनंत सिंह ने कहा था कि चुनाव के दौरान लोगों के बीच यह संदेश गया कि नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया है। उनके अनुसार, इस धारणा का चुनाव परिणाम पर असर पड़ा था।दोनों नेताओं की मुलाकात के दौरान किन मुद्दों पर बातचीत हुई, इसकी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

जमुई में लगेगा एक दिवसीय सौर मेला
रावणेश्वर भवन में होगी तैयारी

बीएनएम@ जमुई। 'सौर ऊर्जा अपनाएं, पर्यावरण बचाएं' के संदेश के साथ जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार, 21 अगस्त को रावणेश्वर भवन में एक दिवसीय सौर मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला सुबह 11 बजे से शुरू होगा, जिसमें आम नागरिकों को सौर ऊर्जा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं, सब्सिडी, लागत और होने वाली बचत के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।मेले के दौरान प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सहित केंद्र और राज्य सरकार की अन्य सौर ऊर्जा योजनाओं की जानकारी मुख्य रूप से उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम में मौजूद तकनीकी विशेषज्ञ लोगों को सोलर पैनल लगवाने की पूरी प्रक्रिया, उसके खर्च, संभावित बचत और रख-रखाव के संबंध में विशेष मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। आगंतुकों की सुविधा के लिए मेले में ही ऑन-स्पॉट पंजीयन (तत्काल पंजीकरण) की व्यवस्था भी की गई है।इसके अलावा, विभिन्न बैंकिंग संस्थानों के सहयोग से सौर ऊर्जा प्रणाली लगवाने के लिए ऋण (लोन) से जुड़ी जानकारियां और वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे लोगों को एक ही छत के नीचे योजना, तकनीकी और वित्तीय तीनों तरह की जानकारियां आसानी से मिल सकेंगी। विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, जमुई के कार्यपालक अभियंता ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस सौर मेले में पहुंचें। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा अपनाने से न केवल बिजली का खर्च कम होता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी एक महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है।

बच्चे के जन्म के एक साल बाद भी नहीं मिला जन्म प्रमाण पत्र
महिला ने लगाया रिश्वत मांगने का आरोप

बीएनएम@ बरहट(जमुई)। बरहट प्रखंड के मलयपुर अतिरिक्त उप स्वास्थ्य केंद्र में सरकारी अस्पताल में बच्चे के जन्म के एक साल बाद भी जन्म प्रमाण पत्र न मिलने का एक गंभीर मामला सामने आया है। नुमर पंचायत के वार्ड संख्या दो निवासी सोनी देवी का आरोप है कि प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अस्पताल और कार्यालय के कई चक्कर काटने के बाद आशा कार्यकर्ता रंभा देवी ने उनसे 600 से 700 रुपये की मांग की। मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली महिला का कहना है कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के तहत मिलने वाले इस जरूरी दस्तावेज के लिए पैसे मांगना पूरी तरह अनुचित है। दूसरी ओर, आरोपी आशा कार्यकर्ता रंभा देवी ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे गलत बताया है। उनका कहना है कि उन्होंने कभी किसी से पैसे की मांग नहीं की, हालांकि कोई अपनी इच्छा से कुछ दे तो अलग बात है। इस संबंध में प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. विजय कुमार ने कहा कि उन्हें मामले की कोई जानकारी नहीं है, लेकिन यदि पैसे मांगे जाने का आरोप सही है तो इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि संबंधित महिला से संपर्क कर जल्द ही उनके बच्चे का जन्म प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

मिथिला मखाने की वैश्विक उड़ान, ऑस्ट्रेलिया और दुबई भेजी गई 22 टन खेप

बीएनएम@ पटना

बिहार के GI-टैग प्राप्त मिथिला मखाने ने अगस्त 2026 में वैश्विक बाजार में नई उपलब्धि दर्ज की है। इस महीने बिहटा स्थित BIADA औद्योगिक क्षेत्र से 18 मीट्रिक टन मिथिला मखाने की खेप समुद्री मार्ग से ऑस्ट्रेलिया भेजी गई। यह मखाना दरभंगा जिले के उत्पादकों से प्राप्त किया गया था। इसी महीने दरभंगा के बेनीपुर से चार मीट्रिक टन मखाना दुबई निर्यात किया गया। इस खेप में 'लक्ष्मी गुलाब' किस्म का मखाना शामिल बताया गया है। इससे पहले 29 जुलाई को बिहार से सात मीट्रिक टन फ्लेवर्ड मखाना कनाडा भेजा गया था। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी साझा करते हुए इसे बिहार के किसानों के

लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया था। यह दरभंगा से समुद्री मार्ग के जरिए कनाडा भेजी गई पहली बड़ी फ्लेवर्ड मखाना खेप बताई गई। लगातार बढ़ते निर्यात से मिथिला मखाने को अंतरराष्ट्रीय बाजार में नई पहचान मिल रही है। GI टैग, आधुनिक प्रसंस्करण और समुद्री मार्ग से निर्यात ने मखाना उत्पादकों के लिए नए बाजार खोले हैं। इससे किसानों को बेहतर कीमत मिलने और मखाना उत्पादन को आर्थिक मजबूती मिलने की उम्मीद है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में भारत से अमेरिका, मध्य पूर्व और अफ्रीका समेत 20 से अधिक देशों को 7,000 मीट्रिक टन से अधिक मखाना और मूल्यवर्धित मखाना उत्पादों का निर्यात हुआ। मिथिला का पारंपरिक मखाना अब स्थानीय जल क्षेत्रों से निकलकर वैश्विक खाद्य बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

भ्रामक जानकारी दे एक से अधिक महाविद्यालयों का संचालन करने वाले संस्थानों की जांच का आदेश

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में फर्जीवाड़े पर होगी प्राथमिकी व मान्यता रद्द

स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में पारदर्शिता, पात्र छात्रों को ही लाभ

बीएनएम@ पटना

राज्य सरकार ने उन सभी शैक्षणिक संस्थानों की जांच करने का निर्देश दिया है, जो भ्रामक जानकारी देकर एक से अधिक महाविद्यालयों का संचालन कर रहे हैं। जांच में गड़बड़ी पकड़े जाने पर फर्जीवाड़ा संबंधी प्राथमिकी दर्ज कराने और संबंधित शिक्षण संस्थानों की मान्यता रद करने की कार्रवाई भी करने को कहा गया है। यह आदेश उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर ने बुधवार को विभागीय अधिकारियों को दिया। इससे पहले उन्होंने स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के प्रशासनिक स्तर पर क्रियान्वयन और ऐसे शिक्षण संस्थानों की जानकारी ली, जो में फर्जीवाड़ा कर योजना का लाभ उठा चुके हैं। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया कि इस

योजना के क्रियान्वयन में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करें। अगर इसमें कोई पदाधिकारी दोषी पाया गया तो उनके खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होगी।

केवल पात्र छात्रों को ही मिले लाभ : मंत्री संजय सिंह टाइगर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलना चाहिए, जो निर्धारित पात्रता और सभी आवश्यक मापदंडों को पूरा करते हों। उन्होंने ऐसे सभी शैक्षणिक संस्थानों की जांच के निर्देश दिए हैं जो असत्य और भ्रामक जानकारी देकर एक से अधिक कॉलेजों का संचालन कर रहे हैं।

नए डिग्री कॉलेजों के लिए सही जमीन का चयन : उन्होंने नए डिग्री महाविद्यालयों के लिए भूमि की उपलब्धता और भूमि चयन तथा शैक्षणिक संस्थानों की मान्यता और संचालन से जुड़े विषयों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश गया दिया कि नए डिग्री महाविद्यालयों के लिए ऐसी भूमि चुनी जाए, जो प्रखंड मुख्यालय के आसपास और विद्यार्थियों के लिए सुगम और निकट हो।

रोशन यादव की मौत पर भड़के तेजस्वी, कहा- बिहार बना पुलिस स्टेट

बीएनएम@ पटना

मधुबनी जेल में संदिग्ध परिस्थितियों में रोशन यादव की मौत को लेकर बिहार की सियासत गरमा गई है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव गुरुवार को पटना से मधुबनी के लिए रवाना हुए। वे मृतक के

परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी लेंगे और उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा देंगे। इसके बाद वे प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मामले को लेकर बातचीत करेंगे। मधुबनी रवाना होने से पहले मीडिया से बातचीत में तेजस्वी यादव ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार को 'पुलिस स्टेट' में तब्दील किया जा रहा है और पुलिस की मनमानी चरम पर है। रोशन यादव के शव पर मिले निशानों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि शरीर पर मौजूद चोट के निशान कई गंभीर सवाल खड़े करते हैं। उन्होंने जेल के अंदर मृतक के साथ अमानवीय व्यवहार और बर्बरता की आशंका जताई तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। तेजस्वी यादव मधुबनी के बाद हाजीपुर भी जाएंगे, जहां हाल में हुई हत्या के पीड़ित परिवार से मुलाकात करेंगे। वहीं, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा के बयान पर पलटवार करते हुए तेजस्वी ने कहा कि वे उनकी चिंता करना छोड़कर अपनी और अपनी पार्टी के भविष्य की चिंता करें।

दहशत : स्कूल के बाद पैक्स गोदाम भी नदी में हुआ विलीन

» मधुबनी प्रखंड के चिउरही पंचायत के रेवहिया गांव में गंडक नदी का कटाव भयावह होता जा रहा
» घर और आशियाना उजड़ने के बाद कटाव पीड़ित परिवार खुलें आसमान के नीचे रहने को विवश

बीएनएम@ बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार स्थित मधुबनी प्रखंड के चिउरही पंचायत के रेवहिया गांव में गंडक नदी का कटाव लगातार भयावह होता जा रहा है। बुधवार को स्कूल के नदी में विलीन होने के बाद गुरुवार की सुबह पैक्स गोदाम भी नदी की धारा में समा गया। लगातार हो रहे कटाव से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। कटाव की चपेट में आकर कई लोगों के घर पहले ही नदी में विलीन हो चुके हैं। घर और आशियाना उजड़ने के बाद कटाव पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे प्लास्टिक तानकर रहने को मजबूर हैं। छोटे-छोटे बच्चों के साथ रह रहे प्रभावित परिवार प्रशासन की ओर से उपलब्ध कराए गए गुड़ और चूड़ा से किसी तरह अपनी भूख मिटा रहे हैं। कटाव पीड़ितों का कहना है कि लगातार उनका घर और सामान नदी में समाता जा रहा है, लेकिन अब तक उन्हें सुरक्षित स्थान पर विस्थापित नहीं किया गया है। ग्रामीण प्रशासन की ओर टकटकी लगाए हुए हैं कि उन्हें जल्द किसी सुरक्षित स्थान पर बसाया जाए। वहीं, राहत और पुनर्वास को

लेकर स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति काफी आक्रोश भी देखा जा रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल कटाव पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने, रहने और भोजन की समुचित व्यवस्था करने की मांग की है। मधुबनी अंचलाधिकारी नंदलाल राम ने बताया कि कटाव पीड़ितों को दूसरे स्थान पर विस्थापित करने के लिए भूमि चिन्हित की जा रही है। भूमि चिह्नित होने के बाद प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर विस्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

आरपीसीएयू और आईपीएल फाउंडेशन के बीच समझौता

50 छात्रों को मिलेगा अमृत प्रशिक्षण का अवसर

बीएनएम@ समस्तीपुर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा और इंडियन पोटाश लिमिटेड की सामाजिक दायित्व शाखा आईपीएल फाउंडेशन, नई दिल्ली के बीच टिकाऊ कृषि, जलवायु परिवर्तन, मृदा स्वास्थ्य, प्राकृतिक खेती और क्षमता विकास के क्षेत्र में सहयोग को लेकर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इसी समझौते के तहत विश्वविद्यालय के 50 छात्रों के लिए 'अमृत प्रशिक्षण कार्यक्रम' भी शुरू किया जाएगा। कार्यक्रम में तमिलनाडु के पूर्व मुख्य सचिव एवं आईपीएल फाउंडेशन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. राजीव रंजन, भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त, मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने की।समझौते के तहत आईपीएल फाउंडेशन विश्वविद्यालय के साथ टिकाऊ कृषि निवेश, जलवायु परिवर्तन, क्षमता विकास, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, प्राकृतिक खेती तथा पोटाश के कुशल उपयोग के

क्षेत्र में सहयोग करेगा। इसके अलावा संयुक्त अनुसंधान, क्षेत्र विशेष के अनुरूप कृषि तकनीकों का विकास, किसानों का प्रशिक्षण तथा छात्रों के क्षमता निर्माण पर भी काम किया जाएगा। समझौते की प्रमुख विशेषता 'अमृत प्रशिक्षण कार्यक्रम' है। इसके तहत ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के 50 छात्रों को अमृत प्रशिक्षु के रूप में शामिल किया जाएगा। प्रत्येक छात्र को छह हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता दी जाएगी। आईपीएल के विशेषज्ञ छात्रों का मार्गदर्शन, निगरानी और मूल्यांकन करेंगे। समझौता ज्ञापन पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पी. के. प्रणव तथा तमिलनाडु के पूर्व मुख्य सचिव एवं आईपीएल फाउंडेशन के सलाहकार डॉ. राजीव रंजन ने हस्ताक्षर किए। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित केंद्र और अमृत प्रशिक्षण कार्यक्रम इसी शैक्षणिक सत्र से शुरू किया जाएगा।

पीएम आवास योजना-ग्रामीण के कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण

पात्र लाभुकों को नवनिर्मित आवास की चाबी सौंपी गई

बीएनएम@ समस्तीपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के अंतर्गत केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित कार्यक्रम का गुरुवार को समाहरणालय सभागार, समस्तीपुर में लाइव प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में जिले के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं योजना के लाभुक शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र एवं जरूरतमंद परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए योजना के क्रियान्वयन, आवास की स्वीकृति, निर्माण कार्य तथा किस्तों के भुगतान सहित विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी दी गई। योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। समाहरणालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विधान पार्षद तरुण कुमार, जिलाधिकारी रोशन

कुशवाहा, उप विकास आयुक्त सूर्य प्रताप सिंह, निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण आशुतोष आनंद सहित जिले के संबंधित पदाधिकारी, कर्मी एवं प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के लाभुक उपस्थित रहे। इस अवसर पर योजना के तहत आवास निर्माण पूर्ण कर चुके विभिन्न लाभुकों को उनके नवनिर्मित मकानों की चाबी सांकेतिक रूप से प्रदान की गई। चाबी मिलने के बाद लाभुकों में खुशी और उत्साह देखा गया। लाभुकों ने पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए सरकार एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने योजना के सफल एवं पारदर्शी क्रियान्वयन को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गुरु रविदास जयंती पर रुपौली में निकली समरसता कलश यात्रा

सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का दिया संदेश

बीएनएम@ समस्तीपुर

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर पटोरी प्रखंड के रुपौली पंचायत में गुरुवार को 'संत शिरोमणि गुरु रविदास समरसता कलश यात्रा' निकाली गई।

यात्रा का शुभारंभ रुपौली पंचायत सरकार भवन से हुआ। विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए यात्रा संत रविदास मंदिर पहुंची। इस दौरान ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए गुरु रविदास जी के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया। जिला कल्याण पदाधिकारी मणि भूषण ने कहा कि संत रविदास जी ने जात-पात और भेदभाव से मुक्त ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां सभी को समान अधिकार और सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास जी के समरस समाज के सपने को साकार करने के लिए विशेष पहल की जा रही है। इसके तहत प्रत्येक गुरुवार को दलित एवं महादलित बस्तियों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। कलश यात्रा के माध्यम से ग्रामीणों के बीच सामाजिक समरसता, समानता, भाईचारे और आपसी सौहार्द का संदेश पहुंचाया गया। इस अवसर पर विकास मित्र अवधेश कुमार, अरविन्द कुमार, रानी कुमारी, जीतेन्द्र कुमार, दीपक कुमार, प्रशांत चौधरी, शत्रुधान कुमार, अजय कुमार, आडवाणी, रुवी माझी सहित अन्य ग्रामीण एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

उत्पाद विभाग चेकपोस्ट पर संदिग्ध पाउडरनुमा सामग्री लेकर जा रहा व्यक्ति गिरफ्तार

बीएनएम@ बगहा

बगहा पुलिस जिला अंतर्गत धनहा-गौतम बुद्ध सेतु के 42 नंबर पिलर स्थित उत्पाद विभाग चेक पोस्ट पर उत्पाद विभाग की टीम ने बोरी में संदिग्ध पाउडरनुमा सामग्री लेकर आ रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान चौतरवा थाना क्षेत्र के सिसवा बसंतपुर गांव निवासी मोहम्मद जान के रूप में हुई है। चेक पोस्ट पर तैनात उत्पाद विभाग के एएसआई सुरेंद्र प्रसाद चौधरी ने बताया कि धनहा की ओर से बोरी लेकर आ रहे व्यक्ति पर संदेह हुआ। इसके बाद उसे रोककर बोरी की जांच की गई, जिसमें पाउडर जैसा संदिग्ध पदार्थ बरामद हुआ। पूछताछ के दौरान मोहम्मद जान ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के पडरौना से दीपावली के अवसर पर पटाखा बनाने के लिए उक्त केमिकल को करीब 3,000 रुपये में खरीदकर ला रहा था। हालांकि, उत्पाद विभाग के अधिकारियों के अनुसार जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बरामद संदिग्ध सामग्री वास्तव में कौन सा केमिकल है।

राजस्व कार्यों की समीक्षा, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन का डीएम ने दिया निर्देश

बीएनएम@ समस्तीपुर

जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में राजस्व विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व से जुड़े विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता, सभी भूमि सुधार उप समाहर्ता अंचलाधिकारी सहित राजस्व विभाग से संबंधित पदाधिकारी मौजूद रहे। समीक्षा के दौरान राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों, दाखिल-खारिज, परिमार्जन, भूमि विवाद, अतिक्रमण, सरकारी भूमि की सुरक्षा, भू-अभिलेखों के संधारण एवं अद्यतीकरण तथा लगान वसूली सहित अन्य राजस्व कार्यों की प्रगति की जानकारी ली गई। जिलाधिकारी ने दाखिल-खारिज एवं परिमार्जन से संबंधित मामलों का निर्धारित समय-सीमा में निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि राजस्व विभाग के कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाएगी। कार्यों में लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारी-कर्मी की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नौकरी की मजबूरी

भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश बने हुए हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है।

लाल सागर में यमन के पास भारतीय झंडे वाला एक व्यावसायिक जहाज डूब गया। राहत की बात है कि जहाज पर सवार 14 नाविकों को बचा लिया गया, जिनमें 13 भारतीय हैं। भारतीय जहाज एसएसवी फैज नूर ओलिया पर यमन के हुदैदा/ मोखा बंदरगाह के पास मिसाइल अथवा ड्रोन से हमला हुआ। हमला किसने किया, तुरंत यह मालूम नहीं हो सका, लेकिन यमन के पास इस जलमार्ग में जहाजों को अक्सर अंसारुल्लाह (हुती) विद्रोही निशाना बनाते रहे हैं। अंसारुल्लाह ने लाल सागर में मौजूद बाब-ए-मंदाब जल मार्ग को आम नौवहन के लिए बंद कर रखा है। इसके पहले खाड़ी में पांच महीनों से जारी युद्ध के दौरान होरमुज जलडमरूमध्य के आसपास जहाजों पर हुए हमलों में कम-से-कम 14 भारतीय नाविक मारे जा चुके हैं। इस बीच पिछले महीने काला सागर से गुजरने का प्रयास भी भारतीय नाविकों के लिए जानलेवा साबित हुआ। बीते 18 जुलाई और 19 जुलाई को दो हमलों में पांच भारतीय नाविक मारे गए। ये हमले यूक्रेन ने किए। ऐसे मामलों में भारत सरकार की प्रतिक्रिया "कड़ी निंदा" करने तक सीमित रही है। पिछले महीने यह खबर जरूर मीडिया में आई थी कि भारत सरकार ने शिपिंग कंपनियों को खतरनाक इलाकों में जाने वाले जहाजों में भारतीय नाविकों की ड्यूटी ना लगाने का निर्देश दिया है। ऐसे कथित निर्देश के औचित्य पर तभी कई सवाल उठे थे। बहरहाल, अब यह साफ हो चुका है कि अगर सचमुच वैसा कोई दिशा-निर्देश दिया गया था, तो वह बेअसर साबित हुआ है।

तमाम नाविकों की तरह भारतीय नाविकों के सामने भी नौकरी की मजबूरी है, जिससे जहाज मालिकों का निर्देश मानने के लिए वे विवश हैं। जबकि फारस की खाड़ी, लाल सागर, और काला सागर में जोखिम बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और ईरान के युद्ध में अब सबसे बड़ा मसला होरमुज का ही रह गया है, जिस पर अपना नियंत्रण बनाए रखने के लिए ईरान अड़िग है। उधर हूतियों और सऊदी अरब के बीच लड़ाई छिड़ने से लाल सागर में भी खतरा बढ़ा है। इन सबके बीच भारतीय नाविकों को कैसे बचाया जाए, यह सवाल रोज अधिक बड़ा होता चला गया है।

परीक्षा की शुचिता और नौकरी की सुरक्षाः झारखंड की चुनौती

ललित गर्ग

झारखंड में सरकारी भर्ती परीक्षाओं को लेकर पिछले पच्चीस दिनों से चला आ रहा छात्र आंदोलन अब एक नए और अधिक जटिल चरण में पहुंच गया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की सरकार ने छात्र आंदोलन के दबाव, परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और परीक्षा संचालन की विश्वसनीयता पर उठे गंभीर सवालों के बीच जेएसएससी-सीजीएल, चैदहवीं जेपीएससी सहित टीडीपीएल से जुड़ी अनेक भर्ती परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की है। सरकार ने वर्ष 2014 के बाद हुई नियुक्ति परीक्षाओं की जांच कराने और व्यवस्था में सुधार के लिए भी कदम उठाने की बात कही है। इस फैसले से आंदोलनरत छात्रों को बड़ी राहत मिली है, लेकिन इसके साथ ही पहले से चयनित होकर सरकारी सेवा में कार्यरत हजारों युवाओं के सामने रोजगार और भविष्य का संकट खड़ा हो गया है। यही विरोधाभास झारखंड के वर्तमान भर्ती विवाद को केवल परीक्षा घोटाले का मामला न बनाकर न्याय, प्रशासनिक जवाबदेही और मानवीय संवेदना का गंभीर प्रश्न बना देता है। रांची के जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में 25 जुलाई 2026 से शुरू हुआ छात्रों का आंदोलन जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में कथित पेपर लीक, अनियमितताओं और पारदर्शिता की कमी के विरोध में था। छात्र विभिन्न परीक्षाओं की निष्पक्ष जांच, संदिग्ध प्रक्रियाओं को निरस्त करने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे थे। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सोलह दिनों तक आमरण अनशन किया। सरकार की घोषणा के बाद उन्होंने अनशन समाप्त किया, हालांकि कुछ छात्र अब भी केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग पर कायम हैं। सरकार ने आठ अलग-अलग अधिसूचनाओं के माध्यम से कुल 44 परीक्षाओं को रद्द करने की सूची जारी की है। यदि किसी परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक हुआ हो, संगठित धांधली हुई हो या चयन प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली गंभीर अनियमितता प्रमाणित हो, तो उस प्रक्रिया की जांच और आवश्यक होने पर परीक्षा रद्द करना स्वाभाविक रूप से जरूरी है। सरकारी नौकरी के लिए प्रतियोगिता करने वाले लाखों युवाओं का विश्वास तभी कायम रह सकता है, जब उन्हें यह भरोसा हो कि उनकी मेहनत किसी दलाल, भ्रष्ट अधिकारी, परीक्षा संचालक या अनुचित साधन अपनाने वाले व्यक्ति के कारण व्यर्थ नहीं जाएगी। इसलिए छात्रों की पारदर्शी और निष्पक्ष भर्ती व्यवस्था की मांग पूरी तरह जायज है। लेकिन समस्या उस समय गंभीर हो जाती है जब किसी परीक्षा में हुई सामूहिक अनियमितता के कारण उन अभ्यर्थियों को भी नौकरी से हटाने का फैसला किया जाता है जिनके विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किसी गलत आचरण का प्रमाण नहीं है। जेएसएससी-सीजीएल के चयनित कर्मचारियों का वर्तमान विरोध इसी मूल प्रश्न को सामने रखता है। दिसंबर 2023 में परीक्षा आयोजित हुई थी। पेपर लीक के आरोपों के बाद सितंबर 2024 में परीक्षा दोबारा आयोजित की गई। मामला न्यायालय तक पहुंचा और न्यायिक प्रक्रिया के बाद परिणाम घोषित किए गए। सफल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी दिए गए और अनेक लोग सरकारी सेवा में कार्यरत हो गए। अब पूरी प्रक्रिया को निरस्त किए जाने से लगभग दो हजार चयनित कर्मचारी सीधे प्रभावित हुए हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार करीब 1975 लोगों की नियुक्तियां इस फैसले से प्रभावित हुई हैं। इन कर्मचारियों का कहना है कि उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार परीक्षा दी, सफलता प्राप्त की, नियुक्ति पत्र पाया और सेवा में योगदान किया। यदि किसी स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है तो उसकी जांच हो, लेकिन सभी चयनित अभ्यर्थियों को दोषी मानकर नौकरी से हटाना न्यायसंगत नहीं है।

सरकारी नौकरी मिलने के बाद अनेक युवाओं ने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए ऋण लिया, मकान या अन्य आवश्यकताओं के लिए वित्तीय जिम्मेदारियां उठाईं और अपनी दूसरी नौकरियां छोड़ दीं। उनके जीवन की योजनाएं नियमित वेतन और सरकारी सेवा की स्थिरता पर आधारित हो गईं। हटाए गए कर्मचारियों की पीड़ा और नाराजगी को भी उसी गंभीरता से सुना जाना चाहिए, जिस गंभीरता से छात्रों की शिकायतें सुनी गईं। यहां मूल सवाल यह है कि परीक्षा में अनियमितता और अभ्यर्थी की व्यक्तिगत संलिप्तता के बीच अंतर कैसे किया जाए। यदि किसी अभ्यर्थी ने पेपर खरीदा, नकल की, अनुचित साधन अपनाया या किसी दलाल के माध्यम से लाभ प्राप्त किया, तो उसके विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जिसने बिना किसी सिद्ध कदाचार के परीक्षा दी, परिणाम में सफल हुआ और नियुक्त होकर सेवा कर रहा है, उसके मामले में केवल परीक्षा प्रक्रिया की खामी को आधार बनाकर सामूहिक दंड देना न्याय के सिद्धांतों पर प्रश्न खड़े करता है। दोषी को बचाना अन्याय है, लेकिन निर्दोष को दंडित करना भी उतना ही बड़ा अन्याय है। सरकार को इसी संतुलन की कसौटी पर अपने निर्णय को परखना होगा। राज्य सरकार के सामने अब दोहरी चुनौती है। एक ओर उसे आंदोलनरत छात्रों के विश्वास को बनाए रखना है और दूसरी ओर हटाए गए कर्मचारियों के अधिकारों तथा आजीविका की रक्षा का रास्ता तलाशना है। केवल परीक्षा रद्द कर देने से समस्या समाप्त नहीं होगी। सरकार को स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच करानी होगी, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि अनियमितता किस स्तर पर हुई, कौन लोग इसके लिए जिम्मेदार थे और किन अभ्यर्थियों ने अनुचित लाभ उठाया। जांच की प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए जिस पर छात्र भी विश्वास कर सकें और चयनित कर्मचारी भी। यदि जांच निष्पक्ष होगी तो दोषियों पर कार्रवाई के साथ निर्दोषों को राहत देने का रास्ता भी निकलेगा। सरकार को अपने निर्णय के कानूनी आधार को स्पष्ट करना होगा और प्रभावित कर्मचारियों को अपनी बात रखने का उचित अवसर देना होगा। किसी भी प्रशासनिक निर्णय की मजबूती केवल उसकी मंशा से नहीं, बल्कि उसकी विधिक प्रक्रिया और न्यायसंगतता से तय होती है। यदि कर्मचारियों ने न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया है तो उन्हें कानून के माध्यम से अपना पक्ष रखने का पूरा अधिकार है। सरकार को भी न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए पारदर्शी ढंग से सभी दस्तावेज और जांच के तथ्य सामने रखने चाहिए। झारखंड का यह संकट केवल एक राज्य की भर्ती व्यवस्था की समस्या नहीं है। यह देशभर में प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता से जुड़े बड़े सवाल की ओर संकेत करता है। एक पेपर लीक या भर्ती में धांधली उनकी मेहनत, समय और मानसिक ऊर्जा को प्रभावित करती है। इसलिए प्रश्नपत्र की सुरक्षा, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, डिजिटल व्यवस्था, मूल्यांकन की पारदर्शिता और परिणामों की विश्वसनीयता को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। निजी परीक्षा एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपने की स्थिति में भी उनकी जवाबदेही, निगरानी और दंड की स्पष्ट व्यवस्था जरूरी है। किसी एजेंसी की गलती के कारण पूरी पीढ़ी का भविष्य अनिश्चित नहीं होना चाहिए। सरकार को अब ऐसा स्थायी तंत्र विकसित करना चाहिए जिसमें परीक्षा प्रक्रिया के प्रत्येक चरण की जवाबदेही तय हो। शिकायतों के निवारण की समयबद्ध व्यवस्था भी होनी चाहिए, ताकि छात्रों को आंदोलन या लंबी कानूनी लड़ाई का सहारा लेने की आवश्यकता कम हो। साथ ही, यदि किसी परीक्षा में गंभीर गड़बड़ी प्रमाणित होती है तो दोषियों पर त्वरित कार्रवाई और प्रभावित अभ्यर्थियों के लिए न्यायपूर्ण वैकल्पिक व्यवस्था की जानी चाहिए। झारखंड में वर्तमान परिस्थिति से सबसे बड़ी सीख यही है कि सरकार को छात्रों और कर्मचारियों में से किसी एक को चुनने के बजाय न्याय का रास्ता चुनना होगा। छात्रों की मेहनत और भविष्य की रक्षा जरूरी है, लेकिन निर्दोष चयनित कर्मचारियों की आजीविका की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। परीक्षा रद्द करना अंतिम समाधान नहीं, बल्कि एक कठिन प्रक्रिया की शुरुआत है। वास्तविक सफलता तब होगी जब दोषी पहचाने जाएं, भ्रष्ट तंत्र पर कठोर प्रहार हो, निर्दोषों को राहत मिले और भविष्य की भर्ती व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी बने। सरकार यदि निष्पक्ष जांच, कानूनी प्रक्रिया, मानवीय संवेदना और संस्थागत सुधार के आधार पर आगे बढ़ती है तो आज का संकट झारखंड की भर्ती व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय बनाने का अवसर बन सकता है। अन्यथा एक आंदोलन समाप्त होकर दूसरा आंदोलन शुरू होता रहेगा और सबसे बड़ी कीमत वही युवा पीढ़ी चुकाएगी, जो मेहनत के बल पर अपने भविष्य का निर्माण करना चाहती है। (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

क्या समान नागरिक संहिता भारतीय समाज में बहिर्विवाह को बढ़ावा देगी?

देवेंद्र कुमार बुडाकोटी

उत्तराखंड उच्च न्यायालय में हाल ही में विभिन्न धार्मिक पृष्ठभूमियों से जुड़े वयस्क याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर एक याचिका भारत में विवाह, परिवार और समुदाय से जुड़े एक व्यापक सामाजिक प्रश्न को सामने लाती है। याचिकाकर्ताओं ने विवाह करने में सहायता की मांग की थी, क्योंकि उनके परिवार और रिश्तेदार इस संबंध का विरोध कर रहे थे और कथित रूप से उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकियां भी दी गई थीं। न्यायालय ने संबंधित पुलिस थानों को याचिकाकर्ताओं को आवश्यक सहायता और सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया।

जाति और समुदाय से बाहर विवाह—अर्थात बहिर्विवाह (Exogamy)—अब धीरे-धीरे अधिक दिखाई देने लगा है, लेकिन अपनी जाति, समुदाय या धर्म के भीतर विवाह—अर्थात अंतर्विवाह (Endogamy)—आज भी प्रमुख सामाजिक मानदंड बना हुआ है। स्थापित विवाह परंपराओं से किसी भी प्रकार का विचलन अक्सर परिवार और रिश्तेदारी समूहों द्वारा कड़े विरोध का सामना करता है। कुछ मामलों में, इन मान्यताओं को चुनौती देने वाले लोगों को सामाजिक बहिष्कार, पारिवारिक विवाद, कानूनी लड़ाइयों और गंभीर मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है।

न्यायालय का हस्तक्षेप प्रख्यात समाजशास्त्री आंद्रे बेटेय (Andre Beteille) की उस टिप्पणी की भी याद दिलाता है: "संविधान यह दिशा बता सकता है कि हमें किस ओर बढ़ना है, लेकिन सामाजिक संरचना यह तय करेगी कि हम कितनी दूर और किस गति से आगे बढ़ पाएंगे।"

प्रवास, शहरीकरण, उच्च शिक्षा और रोजगार के बदलते स्वरूपों ने भारतीय कस्बों और शहरों के सामाजिक ताने-बाने को काफी बदल दिया है। परिवार और रिश्तेदारी की संरचनाओं में भी महत्वपूर्ण परिवर्तन हो रहे हैं, जिसका प्रभाव विवाह की पारंपरिक अंतर्विवाही प्रवृत्तियों पर पड़ रहा है।

युवा पीढ़ी शैक्षणिक संस्थानों, कार्यस्थलों और सामाजिक परिवेश में अलग-अलग जाति, वर्ग, धर्म और जातीय पृष्ठभूमि के लोगों के साथ पहले की तुलना में अधिक संपर्क में आती है। ऐसे संपर्क स्वाभाविक रूप से मित्रता और कई बार प्रेम संबंधों को जन्म देते हैं। इसके बावजूद समाज के कई वर्गों में विरोध अभी भी मजबूत है, विशेषकर तब जब जाति, धर्म या समुदाय की सीमाओं को पार किया जाता है।

भारतीय माता-पिता अक्सर अपने बच्चों के विवाह संबंधी निर्णयों में गहराई से शामिल रहते हैं, क्योंकि विवाह को केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं माना जाता। परंपरागत रूप से इसे दो परिवारों और व्यापक अर्थ में दो रिश्तेदारी नेटवर्क के बीच गठबंधन के रूप में देखा जाता है।

यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है: क्या भारत को धीरे-धीरे पश्चिमी समाजों की ओर देखना चाहिए, जहां सामान्यतः माता-पिता अपने बच्चों के विवाह, करियर, पारिवारिक जीवन और तलाक जैसे मामलों में अपेक्षाकृत कम हस्तक्षेप करते हैं? अथवा भारत को अपनी विशिष्ट परिवार-केंद्रित सामाजिक संरचना को बनाए रखते हुए व्यक्तियों को अपने जीवनसाथी का चयन करने की अधिक स्वतंत्रता देनी चाहिए?

भारत में माता-पिता विवाह को लेकर चिंतित रहते हैं, क्योंकि परिवार अभी भी सामाजिक जीवन का केंद्र है। विवाह परिवारों और रिश्तेदारी के नेटवर्क को जोड़ता है तथा सांस्कृतिक निरंतरता बनाए रखने में मदद करता है। विवाह की परंपराएं, परिवार की संरचना, रिश्तेदारी, भाषा, परंपराएं और रीति-रिवाज ऐतिहासिक रूप से भारतीय समाज को एकजुट रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं।

अंतर-धार्मिक विवाह विशेष रूप से संवेदनशील विषय बने हुए हैं। ऐसे विवाहों को परिवार, रिश्तेदारों और व्यापक समुदाय के कुछ वर्गों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के विरोध के बावजूद विवाह करने की इच्छा रखने वाले जोड़ों की सुरक्षा के लिए पुलिस और न्यायालयों का हस्तक्षेप भी अब अधिक दिखाई देने लगा है।

यहां एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है: व्यक्तिगत और पारिवारिक पसंद से जुड़े विवादों में पुलिस और न्यायालयों को किस सीमा तक हस्तक्षेप करना चाहिए? इससे भी महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code—UCC) विवाह संबंधों में अधिक सामंजस्य स्थापित करने और भारतीय समाज में कठोर अंतर्विवाही प्रथाओं को धीरे-धीरे कमजोर करने में योगदान दे सकती है?

समान नागरिक संहिता व्यक्तिगत कानून के कुछ पहलुओं के लिए एक समान कानूनी ढांचा उपलब्ध करा सकती है, लेकिन विवाह की सामाजिक प्रथाओं में बदलाव केवल कानून बनाने से संभव नहीं है। सामाजिक दृष्टिकोण, पारिवारिक संरचनाएं, जातिगत पहचान, धार्मिक विश्वास और सामुदायिक मान्यताएं भारतीय समाज में गहराई से जड़ें जमाए हुए हैं। कानून अधिकार और सुरक्षा प्रदान कर सकता है, लेकिन सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया अक्सर इससे कहीं अधिक समय लेती है।

इसलिए वास्तविक प्रश्न शायद यह नहीं है कि क्या केवल समान नागरिक संहिता बहिर्विवाह को बढ़ावा दे सकती है, बल्कि यह है कि क्या बदलता हुआ भारतीय समाज विवाह में अधिक स्वतंत्रता को स्वीकार करने के लिए तैयार है, और साथ ही उन सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को भी बनाए रख सकता है, जिन्होंने परंपरागत रूप से परिवारों और समुदायों को एकजुट रखा है?

(लेखक समाजशास्त्री हैं और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU), नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। उनके शोध का उल्लेख नोबेल पुरस्कार विजेता प्रो. अमर्त्य सेन की पुस्तकों में किया गया है।)

मेष राशिःमेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशहाल बना रहेगा। आज आप किसी काम की शुरुआत कर सकते हैं, भविष्य में जिससे आप अच्छा लाभ कमायेंगे। नवविवाहित दंपति को आज जीवनसाथी से गिफ्ट मिलेगा, जिससे आपको ख़ुशी होगी। आज आप खुद को फिट और ऊर्जावान महसूस करेंगे। आज आपको राजनीति से जुड़कर काम करने का मौका मिलेगा, जिससे आप अपने सपनों को पूरा करेंगे।

वृष राशिःवृष राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज इलेक्ट्रॉनिक्स के बिजनेस में आपको अच्छा धन लाभ होगा, आप कारोबार को आगे बढाने का विचार कर सकते हैं। इस राशि के शिक्षकों का ट्रान्सफर उनकी मनपसंद जगह पर हो जायेगा। जल्द ही जॉब मिलेगी। आप स्वास्थ्य संबंधित समस्या के लिए आज किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह लेंगे। आज आपके दांपत्य जीवन में सौहार्द बना रहेगा।

मिथुन राशिःमिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आपको मनपसंद चीज प्राप्त होगी, जिससे आपको ख़ुशी होगी। आज आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। आज लवमेट अपने रिश्ते की बात घर पर करेंगे, घरवाले आपके रिश्ते की बात को आगे बढ़ा सकते हैं। आज आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं।

कर्क राशिःकर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज नए बिजनेस को शुरू करने का विचार आपको उत्साहित करेगा। आज आप परिवार के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का प्लान बना सकते है। दांपत्य जीवन में चल रही अनबन आज खत्म हो जाएंगी, जीवनसाथी खुश होने की वजह देंगे। आज आपके काम और मेहनत को देखते हुए आपकी सैलरी में इजाफा होगा। आज आप पिता के कार्यों में हाथ बटायेंगे।

सिंह राशि : सिंह राशि वालों आज आपका दिन रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज वाहन चलाते समय आपको सावधानी बरतने की जरूरत है। आज करीबी दोस्त की वजह से आपको जॉब मिलेगी, इससे आपकी दोस्ती और गहरी होगी। आज कार्यक्षेत्र में बाहरी सलाह से अच्छा है, आप घरवालों की बात को समझे। दांपत्य रिश्ते में आपसी तालमेल बना रहेगा। आज विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

कन्या राशि : कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप फर्नीचर का सामान खरीद सकते हैं, जिससे घर की रौनक बढ़ जाएगी। आज आप किसी नए काम की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें भाई का पूरा सहयोग मिलेगा। आज बच्चे आपसे मन की बात शेयर करेंगे, आप उनकी बातों को ध्यान से सुने और प्यार से समझाएं।

तुला राशिःतुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप कॉस्मेटिक प्रोडक्ट को ऑनलाइन वेबसाइट पर लांच करेंगे, जिससे आपको अच्छा लाभ होगा। आज ऑफिस में आपके काम से खुश होकर बॉस आपको कोई नया टारगेट दे सकते हैं। आज आप जीवनसाथी के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते है।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा बना रहेगा। आज आप अधिकतर कार्यों को पूरा कर लेंगे, जिससे आपको ख़ुशी मिलेगी। आज आप किसी संस्था के साथ जुड़कर जरूरतमंद लोगों की मदद करेंगे, जिससे उनके जीवन में बदलाव आएगा। आज घर में बड़े बुजुर्गों की सेहत का ध्यान देने की आवश्यकता है।

धनु राशिःधनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आप अपने दोस्त की मदद से रुके हुए प्रोजेक्ट को पूरा कर लेंगे। आज आपको बिजनेस डील में बड़ा धन लाभ होगा। आज ऑफिस में आपकी मुलाकात कुछ नए लोगों से होगी, जिनसे मिलकर आपको खुशी होगी। लम्बे समय से चल रही किसी स्वास्थ्य समस्या आज आपको मुक्ति मिलेगी। आज आप जीवनसाथी के साथ शॉपिंग करने जायेंगे और आप कुछ गिफ्ट करेंगे।

मकर राशिःमकर राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आप ऑफिस में कई दिनों से रुका कार्य आज समय से पूरा कर लेंगे। आज घर में किसी खास रिश्तेदार के आगमन से ख़ुशी का माहौल बनेगा। ट्रांसपोर्ट के कारोबारियों को अच्छा लाभ होगा, जिससे आपके मन को संतुष्टि मिलेगी। आज शिक्षकों का प्रमोशन उनकी मनपसंद जगह पर होने की सम्भावना है।

कुंभ राशिःकुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आपको अचानक धन की प्राप्ति होगी, जिससे आपका बैंक बैलेंस मजबूत बनेगा। आज कार्यक्षेत्र में बड़ों की सलाह लेना आपको व्यापार में अच्छा लाभ दिलाएगी। आज आपके दामपत्य जीवन में सौहार्द बना रहेगा और आप एक दूसरे का ख्याल रखेंगे।

मीन राशिःमीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। आज आप अपने सभी जरूरी कार्यों को समय से पूरा कर लेंगें, जिससे आप अन्य कार्यों के लिए भी समय निकाल सकें। आज आप क्रेडिट कार्ड के फिजूल खर्चों से बचेंगे तो आप आर्थिक उलझन से बच जायेंगे। इस राशि के वकील आज किसी क्लाइंट के केस को जीतने में सफल रहेंगे।

विष्णु सरकार ने बढ़ाया किसानों का मान-खेती किसानी को मिला नया संबल

•छगन लाल लोन्हारे

-छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति परंपरा व आस्था से जुड़ा है हरेली तिहार

प्रदेश सरकार किसानों के आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। गांव, गरीब और किसान सरकार की पहली प्राथमिकता में हैं। देश की जीडीपी में कृषि का बड़ा योगदान है, छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का मूल आधार भी कृषि ही है और छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की इन ढाई साल के अवधि में किसानों के हित में लिए गए नीतिगत फैसलों से खेती किसानी को नया संबल मिला है। बीते खरीफ विपणन वर्ष में किसानों से समर्थन मूल्य पर 141.05 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है। गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा पंजीकृत किसानों से समर्थन मूल्य पर प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3100 रूपए प्रति क्विंटल की मान से धान खरीदीकर न सिर्फ किसानों को मान बढ़ाया, बल्कि किसानों को उन्नति की ओर ले जाने में भी उल्लेखनीय कार्य किया है। साथ ही किसानों के खाते में रमन सरकार के पिछले दो वर्ष का बकाया धान के बोनस 3716.38 करोड़ रूपए अंतरित कर किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत कर दी है। मुख्यमंत्री का मानना है कि भारत गांवों में बसता है। जब किसान खुशहाल होंगे तो प्रदेश का व्यापार, उद्योग बढ़ेगा।

परंपरा के अनुसार वर्षों से छत्तीसगढ़ के गांव में अक्सर हरेली तिहार के पहले बढ़ई के घर में गेड़ी का ऑर्डर रहता था और बच्चों की जिद पर अभिभावक जैसे-तैसे गेड़ी भी बनाया करते थे। हरेली तिहार के दिन सुबह से तालाब के पनघट में किसान परिवार, बड़े बजुर्ग बच्चे सभी अपने गाय, बैल, बछड़े को नहलाते हैं और खेती-किसानी, औजार, हल (नांगर), कुदाली, फावड़ा, गैंती को साफ कर घर के आंगन में मुरूम बिछाकर पूजा के लिए सजाते हैं।

माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ के चीला का भोग लगाया जाता है। अपने-अपने घरों में अराध्य देवी-देवताओं की साथ पूजा करते हैं। गांवों के गुड़ी में ठाकुरदेव की पूजा की जाती है। हरेली पर्व के दिन पशुधन के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए औषधियुक्त आटे की लोंदी खिलाई जाती है। गांव में यादव समाज के लोग वनांचल जाकर कंदमूल लाकर हरेली के दिन किसानों को पशुओं के लिए वनौषधि उपलब्ध कराते हैं। गांव के सहाड़ादेव अथवा ठाकुरदेव के पास यादव समाज के लोग जंगल से लाई गई जड़ी-बूटी उबाल कर किसानों को देते हैं। इसके बदले किसानों द्वारा चावल, दाल आदि उपहार में यादवों को भेंट करने की परंपरा रही हैं।

सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है। वर्षा ऋतु में धरती हरा चादर ओढ़ लेती है। वातावरण चारों ओर हरा-भरा नजर आने लगता है। हरेली पर्व आते तक खरीफ फसल आदि की खेती-किसानी का कार्य लगभग हो जाता है। माताएं गुड़ का चीला बनाती हैं। कृषि औजारों को धोकर, धूप-दीप से पूजा के बाद नारियल, गुड़ का चीला भोग लगाया जाता है। गांव के ठाकुर देव की पूजा की जाती है और उनको नारियल अर्पण किया जाता है। हरेली तिहार के साथ गेड़ी चढने की परंपरा अभिन्न रूप से जुड़ी हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग सभी परिवारों द्वारा गेड़ी का निर्माण किया जाता है। परिवार के बच्चे और युवा गेड़ी का जमकर आनंद लेते है। गेड़ी बांस से बनाई जाती है। दो बांस में बराबर दूरी पर कील लगाई जाती है। एक और बांस के टुकड़ों को बीच से फाड़कर उन्हें दो भागों में बांटा जाता है। उसे नारियल रस्सी से बांधकर दो पउआ बनाया जाता है। यह पउआ असल में पैर दान होता है जिसे लंबाई में पहले कांटे गए दो बांसों में लगाई गई कील के ऊपर बांध दिया जाता है। गेड़ी पर चलते समय रच-रच की ध्वनि निकलती हैं, जो वातावरण को और आनंददायक बना देती है। इसलिए किसान भाई इस दिन पशुधन आदि को नहला-धुला कर पूजा करते हैं। गेहूं आटे को गूंथ कर गोल-गोल बनाकर अरंडी या खम्हार पेड़ के पत्ते में लपेटकर गोधन को औषधि खिलाते हैं। ताकि गोधन को रोगों से बचाया जा सके। गांव में पौनी-पसारी जैसे राऊत, लोहार व बैगा हर घर के दरवाजे पर नीम की डाली खोंचते हैं। गांव में लोहार अनिष्ट की आशंका को दूर करने के लिए चौखट में कील लगाते हैं। यह परम्परा आज भी ग्रामीण क्षेत्रों में विद्यमान है। पिहले के दशक में गांव में बारिश के समय कीचड़ आदि हो जाता था उस समय गेड़ी से गली का भ्रमण करने का अपना अलग ही आनंद रहता था। गांव-गांव में गली कांक्रीटीकरण से अब कीचड़ की समस्या काफी हद तक दूर हो गई है। हरेली के दिन गृहणियां अपने चूल्हे-चौके में कई प्रकार के छत्तीसगढ़ी व्यंजन बनाती है। किसान अपने खेती-किसानी के उपयोग में आने वाले औजार नांगर, कोपर, दतारी, टंगिया, बसुला, कुदारी, सब्बल, गैती आदि की पूजा कर छत्तीसगढ़ी व्यंजन गुलगुल भजिया व गुड़हा चीला का भोग लगाते हैं। इसके अलावा गेड़ी की पूजा भी की जाती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

कार्तिक त्यागी ने की रिंकू सिंह की तारीफ, कहा- वह दुनिया के शीर्ष पांच बल्लेबाजों में शामिल

एजेंसी, लखनऊ

मेरठ मेवरिक्स के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने अपनी टीम के कप्तान रिंकू सिंह की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें दुनिया के शीर्ष पांच फिनिशरों में शामिल बताया है। त्यागी ने कहा कि दबाव की परिस्थितियों में डेथ ओवरों में जिस तरह रिंकू मैच का रुख बदलते हैं, वह उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में खड़ा करता है। त्यागी की यह टिप्पणी यूपी टी20 लीग के चौथे सत्र के आठवें मुकाबले में रिंकू की शानदार मैच जिताऊ पारी के बाद आई है।

बुधवार को खेले गए मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स के सामने लखनऊ फाल्कन्स ने 184 रन का लक्ष्य रखा था। बारिश के कारण मैच डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के तहत रोमांचक स्थिति में पहुंच गया था। 17वें ओवर में मेरठ की टीम डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पार स्कोर से पीछे थी। ऐसे समय में रिंकू ने नवनीत कुमार के ओवर में पांच गेंदों पर 26 रन ठोककर मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए और मेरठ को 16.5 ओवर में छह विकेट पर 154 रन तक पहुंचाया। भारी बारिश के कारण खेल रुकने के समय मेरठ की टीम डकवर्थ-लुईस-स्टर्न लक्ष्य से पांच रन आगे थी और उसने अप्रत्याशित जीत दर्ज की। कार्तिक त्यागी ने कहा, "जिस नंबर पर वह बल्लेबाजी करने आते हैं और जिस तरह अंत में प्रदर्शन करते हैं, अगर पूरी दुनिया को देखें तो वह इस नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले और इस तरह मैच पर दबदबा बनाने वाले शीर्ष पांच बल्लेबाजों में लगभग शामिल हैं। जब तक वह क्रीज पर रहते हैं, हमें हमेशा भरोसा रहता है कि हालात चाहे जैसे हों, मैच हमारे पक्ष में किया जा सकता है।" उन्होंने कहा, "एक खिलाड़ी के तौर पर उन्होंने जितनी मेहनत की है, यहां शायद ही किसी ने उतनी मेहनत की हो। उसी मेहनत का नतीजा उन्हें मिलता है और हमारी टीम को भी उसका फायदा होता है।"

त्यागी 2026 आईपीएल में रिंकू के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स के ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रहे थे और अब मेरठ मेवरिक्स में उनकी कप्तानी में खेल रहे हैं। रिंकू की कप्तानी की भी तारीफ करते हुए त्यागी ने कहा कि उनका आक्रामक रवैया पूरी टीम में आत्मविश्वास भरता है। उन्होंने कहा, "उनकी कप्तानी में खेलने से काफी आत्मविश्वास मिलता है। उनका रवैया देखें तो हम मैदान पर इस मानसिकता के साथ उतरते हैं कि हमें सिर्फ जीतना नहीं, बल्कि दबदबा बनाना है।"

सिनसिनाटी ओपन में बड़ा उलटफेर, दुनिया की नंबर एक सबालेंका को सारा बेजलेक ने हराया

एजेंसी, सिनसिनाटी

दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका बुधवार को सिनसिनाटी मास्टर्स के चौथे दौर में चेक गणराज्य की सारा बेजलेक के हाथों उलटफेर का शिकार होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। बेजलेक ने सबालेंका को 7-6 (9-7), 6-4 से हराकर पहली बार किसी शीर्ष-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत दर्ज की। सबालेंका ने पहले सेट में शानदार शुरुआत करते हुए 5-1 की बढ़त बना ली थी, लेकिन 35वीं रैंकिंग की बेजलेक ने अपनी बेहतरीन मूवमेंट और लगातार दबाव के दम पर मुकाबले में वापसी की। उन्होंने टाईब्रेक में 9-7 से पहला सेट अपने नाम किया। दूसरे सेट में बेजलेक ने सबालेंका की सर्विस तीन बार तोड़ी। इसके बाद उन्होंने शानदार अंदाज में मैच खत्म किया। आखिरी गेम में उन्होंने एक भी अंक गंवाए बिना जीत दर्ज की और मैच का अंत ऐस के साथ किया। जीत के बाद बेजलेक ने कहा, "मेरे पास शब्द नहीं हैं। यह अविश्वसनीय महसूस हो रहा है।" इस साल अबू धाबी में हार्ड कोर्ट खिताब जीत चुकी बेजलेक अब अगले दौर में अमेरिका की मैडिसन कीज का सामना करेंगी। वहीं, सबालेंका के लिए अमेरिकी ओपन से पहले यह लगातार दूसरा निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले सप्ताह वह टोरंटो मास्टर्स के चौथे दौर में बाहर हो गई थीं। इससे पहले विंबलडन में भी उन्हें चौथे दौर में हार का सामना करना पड़ा था, जबकि फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में उनका सफर समाप्त हुआ था। अमेरिकी ओपन 30 अगस्त से शुरू होगा।

मोंटी देसाई ने छोड़ा कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच का पद

एजेंसी, टोरंटो । कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम को अब नए मुख्य कोच की तलाश है। टीम के मुख्य कोच मोंटी देसाई ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। देसाई मई में दूसरी बार कनाडा की टीम से जुड़े थे और उनके कार्यकाल में टीम ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग-2 की दो त्रिकोणीय श्रृंखलाओं में हिस्सा लिया, जिसमें एक श्रृंखला कनाडा में और दूसरी स्कॉटलैंड में खेली गई।

देसाई के जाने के समय कनाडा के विश्व कप लीग-2 अभियान में चार मुकाबले बाकी हैं। टीम शीर्ष चार में जगह बनाने से छह अंक पीछे है और उसके सामने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर प्ले-ऑफ में खेलने का खतरा मंडरा रहा है। यह पुनः क्वालीफिकेशन प्रतियोगिता आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 के क्वालीफायर के लिए चार स्थान तय करेगी। देसाई का कनाडा के साथ यह दूसरा कार्यकाल था। इससे पहले वह 2019 में नामीबिया में विश्व क्रिकेट लीग-2 अभियान के दौरान टीम के कोच रह चुके हैं। पद छोड़ने के बाद देसाई ने सोशल मीडिया पर कहा, "यह छोटा अध्याय था, लेकिन मेरे लिए बेहद महत्वपूर्ण रहा। हर माहौल आपको कुछ नया सिखाता है। इस अनुभव ने मेरे इस विश्वास को और मजबूत किया कि निरंतर सफलता समय, विश्वास, तैयारी, मजबूत रिश्तों और सामूहिक जिम्मेदारी से बनती है।" उन्होंने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और इस सफर में साथ रहे सभी लोगों का आभार जताते हुए कहा, "मैं बनाए गए रिश्तों, मिली सीख और योगदान देने के अवसर के लिए आभारी हूं।"

टेस्ट क्रिकेट मेरी पहली प्राथमिकता : पडिक्कल

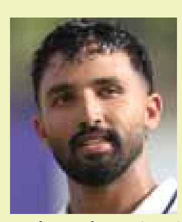

एजेंसी, गॉल। श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टेस्ट में शतक लगाने वाले भारतीय टीम के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल का लक्ष्य हर अवसर का लाभ उठाते हुए इस प्रारुप में अधिक से अधिक रन बनाकर अपनी जगह पक्की करना है। पडिक्कल को दो साल के बाद टेस्ट टीम में वापसी का अवसर मिला था जिसका उनहोंने पूरा लाभ उठाया। इस बल्लेबाज ने पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। अपने प्रदर्शन से उत्साहित पडिक्कल ने स्पष्ट किया कि टेस्ट क्रिकेट उनका अंतिम लक्ष्य है और वे अपने खेल को इसी के अनुसार ढाल रहे हैं। पडिक्कल ने कहा, मैं हमेशा से इस बात को लेकर स्पष्ट रहा हूं कि टेस्ट क्रिकेट मेरा अंतिम लक्ष्य है। इसलिए मैंने अपने खेल को इस तरह ढालने की कोशिश की है कि मैं अपनी बुनियादी तकनीक के साथ खेलते रहूं। मैं यह सुनिश्चित करता हूं कि जब भी जरूरत हो मैं लाल गेंद के क्रिकेट में आसानी से ढल सकूं क्योंकि यह मेरी पहली प्राथमिकता है। पडिक्कल ने हालांकि ये स्वीकार किया कि सीमित ओवरों और टेस्ट क्रिकेट के बीच लगातार बदलाव करना आसान नहीं है, और इसके लिए उन्हें अपनी बल्लेबाजी में सावधानीपूर्वक बदलाव करने पड़ते हैं। पडिक्कल ने कहा कि प्रारुप के अनुसार वह अपनी बल्लेबाजी को लेकर तैयारी करते हैं।

सिनक्विफील्ड कप: आर्मगेडन में हार के बाद प्रज्ञानानंद दूसरे स्थान पर रहे

एजेंसी, सेंट लुइस । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने बुधवार को सिनक्विफील्ड कप में उपविजेता के रूप में अपना अभियान समाप्त किया। खिताब के लिए हुए आर्मगेडन मुकाबले में उन्हें अमेरिका के वेस्ली सो के हाथों हार का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंद ने अंतिम क्लासिकल मुकाबले में नीदरलैंड्स के अनीश गिरी के खिलाफ बाजी ड्रॉ खेली। इसके बाद उन्हें शीर्ष पर चल रहे वेस्ली सो के खिलाफ टाईब्रेकर खेलना पड़ा। सो ने काले मोहरों से ड्रॉ हासिल कर खिताब अपने नाम कर लिया। नियमों के मुताबिक, बराबरी की स्थिति में पहले दो रैपिड बाजियां खेली जाती हैं।

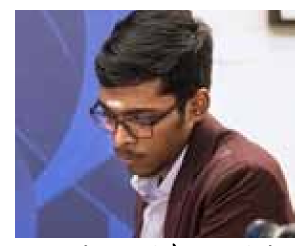

अगर इसके बाद भी फैसला नहीं होता है तो आर्मगेडन मुकाबला कराया जाता है, जिसमें सफेद मोहरों वाले खिलाड़ी को पांच मिनट और काले मोहरों वाले खिलाड़ी को चार मिनट दिए जाते हैं। प्रज्ञानानंद और सो के बीच दोनों रैपिड बाजियां ड्रॉ रहीं, जिससे स्कोर 1-1 हो गया। इसके बाद हुए आर्मगेडन मुकाबले में सो ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और खिताब पर कब्जा जमाया। हालांकि, दूसरे स्थान पर रहने का 21 वर्षीय प्रज्ञानानंद को बड़ा फायदा मिला। उन्होंने ग्रैंड चेस टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है, जिसका आयोजन 22 अगस्त से होगा। ग्रैंड चेस टूर फाइनल में प्रज्ञानानंद के अलावा वेस्ली सो, फैबियानो करूआना और विंसेंट कीमर हिस्सा लेंगे। ये चारों खिलाड़ी ग्रैंड चेस टूर की अंक तालिका में शीर्ष चार स्थानों पर रहे। सिनक्विफील्ड कप में संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहने वाले जावोखिर सिंदारोव केवल आधे अंक से क्वालीफाई करने से चूक गए।

बिजनेस

टेंपसेंस इंस्ट्रुमेंट्स का आईपीओ लॉन्च, आधे घंटे में ही हुआ फुली सब्सक्राइब

एजेंसी, नई दिल्ली

तापमान मापने वाले सेंसर, इलेक्ट्रिक हीटिंग और स्पेशल केबल सॉल्यूशंस बनाने वाली कंपनी टेंपसेंस इंस्ट्रुमेंट्स (इंडिया) का 650 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 24 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 25 अगस्त को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 27 अगस्त को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 28 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले आधे घंटे में ही ये आईपीओ फुली सब्सक्राइब हो गया। दोपहर 12:50 बजे तक इस आईपीओ को 3.05 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए

285 रुपये से लेकर 300 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 50 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम एक लॉट यानी 50 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 15,000 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,95,000 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट में 650 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत चार रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2,16,66,666 करोड़ शेयर जारी किए जा रहे हैं। इनमें लगभग 95 करोड़ रुपये के 31,66,666 नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि लगभग 555 करोड़ रुपये के 1,85,00,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 49.88 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 34.92 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.97 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा कंपनी के एंप्लॉयीज के लिए 0.23 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। टेंपसेंस इंस्ट्रुमेंट्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत बनी रही है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 40.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 62.56 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 71.07 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 278.04 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 382.47 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 455.86 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता गया। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 30.13 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 71.83 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की बात करें, तो इस वित्त वर्ष के दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ उछल कर 77.95 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

स्टॉक मार्केट में क्रेडेंट कनेक्ट की धमाकेदार शुरुआत, पहले दिन ही दोगुना हुआ निवेशकों का पैसा

एजेंसी, नई दिल्ली

डायग्नोस्टिक लैब, आईवीडी और फार्मास्यूटिकल फर्म्स, क्लीनिक्स और अन्य स्वास्थ्य संस्थानों को इंटिग्रेटेड लॉजिस्टिक्स, ह्यूमन रिसोर्स और टेक्नोलॉजी बेस्ड सर्विस देने वाली कंपनी क्रेडेंट कनेक्ट एंड केयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत कर अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 189 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 359.10 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 377.05 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 188.05 रुपये यानी 99.50 प्रतिशत का फायदा हो गया। क्रेडेंट कनेक्ट एंड केयर के आईपीओ में लॉट साइज 600 शेयर का था। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज प्रति लॉट 1,12,830 रुपये

का फायदा हो गया। इस आईपीओ के लिए आवेदन के साथ निवेशकों ने प्रति लॉट 1,13,400 रुपये का निवेश किया था। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग दोगुना हो गया। इस कंपनी का 93.90 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 17 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 153.13 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 130.40 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 216.97 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 138.86 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 49.68 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी सब्सिडरी क्रीडेंट हेल्थकेयर के लिए मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। क्रेडेंट कनेक्ट एंड केयर की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 2.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में कम होकर 2.25 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में थोड़ी बढ़ोतरी जरूर हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 76.02 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 78.23 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

एजेंसी, नई दिल्ली

पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों की वजह से घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया और लिवाली शुरू कर दी, जिससे इन दोनों सूचकांकों की स्थिति में सुधार होने लगा। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.71 प्रतिशत और निफ्टी 0.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ

कारोबार कर रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 558.77 अंक यानी 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,468.45 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसके कारण पहले 15 मिनट में ही यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 100 अंक फिसल कर 77,375.75 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में दोबारा तेजी का रुख बन गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 543.54 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,453.22 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 147.15 अंक यानी 0.61 प्रतिशत उछल कर 24,225.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 40 अंक टूट कर 24,184.55 अंक के स्तर तक गिर गया।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

एजेंसी, नई दिल्ली । ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी आज मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशियाई बाजार में आज आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा बुधवार को लंबे समय वाले कर्ज को वापस खरीदने का ऐलान करने की वजह से बॉन्ड मार्केट का दबाव घट गया। इसके कारण अमेरिकी स्टॉक मार्केट के निवेशक उत्साहित होकर कारोबार करते रहे। एस एंड पी 500 इंडेक्स लगातार तीन दिन की गिरावट के बाद वापस बढ़त हासिल कर बंद होने में सफल रहा। यह सूचकांक 0.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,707.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,331.09 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 53,480.24 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,743.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,501.91 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया।

सर्राफा बाजार में फिसला सोना, चांदी की भी घटी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान गिरावट का रुख बना हुआ है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 870 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 940 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में आज 5,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में हुए इस बदलाव के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से

लेकर 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,44,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,55,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,960 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दुलकर सलमान की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म का बनेगा सीक्वल, निर्देशक ने की पुष्टि

मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार दुलकर सलमान की फिल्म लकी भास्कर 2024 में रिलीज हुई थी। इसने दुनियाभर में 114 करोड़ रुपये से ज्यादा कमाते हुए खुद को ब्लॉकबस्टर फिल्मों में शामिल किया और गद्दार पुरस्कार के तहत तीसरी सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का सम्मान भी हासिल किया। ताजा अपडेट है कि निर्देशक वेंकी अट्टुलुरी इसका सीक्वल लाने की योजना बना चुके हैं। एक बातचीत के दौरान उन्होंने इसकी पुष्टि की और कहा कि परियोजना को साकार करने में थोड़ा समय लगेगा। निर्देशक अपनी अगली फिल्म विश्वनाथ एंड संस के बारे में बातचीत कर रहे थे, जिसमें सूर्या मुख्य किरदार में नजर आएंगे। इस दौरान लकी भास्कर 2 से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, लकी भास्कर का सीक्वल मेरी आने वाली फिल्मों की सूची में है। इसके लिए मुझे कुछ साल चाहिए क्योंकि इससे पहले मेरी 2 और फिल्में हैं। लकी भास्कर 2 एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, जिसे मुझे कई तरह से निभाना होगा। उन्होंने आगे कहा, सीक्वल मैं 2 साल में शुरू करूंगा। उससे पहले, मैं धनुष सर की फिल्म करूंगा, जो एक पुलिस कहानी है, और एक और फिल्म डिज्नी और होम अलोन जैसी बच्चों की फिल्म होगी। लकी भास्कर 1980-1990 के दशक के बॉम्बे (मुंबई) की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसकी कहानी एक आम इंसान के लालच, समझदारी और बैंक घोटाले के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में मीनाक्षी चौधरी, टीकू तलसानिया और सूर्या श्रीनिवास समेत कई कलाकार भी मौजूद हैं।

यामी गौतम की फिल्म नई नवेली का दशहरा पर होगा कब्जा

यामी गौतम की आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'नई नवेली' को दशहरा 2026 के अवसर पर 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। आनंद एल राय की 'कलर येलो' और 'अमेजन एमजीएम स्टूडियोज' के साझा बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन बालाजी मोहन ने किया है। 'भूत पुलिस' (2021) के बाद यह दूसरा मौका होगा जब यामी किसी हॉरर-कॉमेडी शैली की फिल्म में नजर आएंगी। भारतीय लोककथाओं और पौराणिक कथाओं पर आधारित इस पारिवारिक फिल्म की शूटिंग इसी साल फरवरी में शुरू हुई थी। एमजीएम स्टूडियोज के अनुसार, त्योहार के सीजन को देखते हुए दशहरा ही इस फिल्म के प्रदर्शन के लिए सबसे उपयुक्त समय है। यामी गौतम इस फिल्म में बेहद अलग अवतार में नजर आएंगी, हालांकि उनसे पहले इस रोल के लिए कृति सैनन से बात की गई थी।

इस साल की शुरुआत में यामी गौतम की फिल्म नई नवेली का ऐलान हुआ था। 2021 में आई भूत पुलिस के बाद, यह दूसरा मौका होगा जब अभिनेत्री को हॉरर कॉमेडी में देखा जाएगा। फिल्म का निर्माण आनंद एल राय की प्रोडक्शन कंपनी कलर येलो के बैनर तले अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के सहयोग से किया गया है, जो उनका पहला आपसी सहयोग है। निर्देशन बालाजी मोहन ने किया है, जबकि पटकथा हिमांशु शर्मा और दिव्य निधि शर्मा ने लिखी है। रिपोर्ट के मुताबिक, नई नवेली को दशहरा, 2026 पर रिलीज करने की योजना बनाई गई है। यह 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। एमजीएम स्टूडियोज के एसवीओडी ओरिजिनल्स के निदेशक निखिल मधोक ने कहा, जब हमने नई नवेली को बनते देखा, तो तुरंत ही सबको यह एहसास हो गया कि यही दशहरा की सबसे बेहतरीन फिल्म है। कोई और तारीख इसके लिए उपयुक्त नहीं होती। उम्मीद है कि फिल्म त्योहारों के दौरान पारिवारिक दर्शकों की पहली पसंद बनेगी। मधोक ने आगे बताया कि यामी और अन्य सहायक कलाकारों ने फिल्म में दमदार अभिनय किया है। अभिनेत्री इसमें बिल्कुल अलग तरह का किरदार निभाते हुए दिखाई देंगी। बता दें, नई नवेली भारतीय लोककथाओं और पौराणिक कथाओं पर आधारित एक हॉरर कॉमेडी है, जिसकी शूटिंग इसी साल फरवरी से शुरू हुई थी। फिल्म में यामी से पहले कृति सैनन को लिया जाना था, लेकिन कुछ कारणों से बात नहीं बन सकी थी।

डाइट बदलने से 12 किलो वजन हुआ कम: सोहेल खान

रिएलिटी शो द अलायंस की पार्टी में एक्टर और प्रोड्यूसर सोहेल खान का काफी कम वजन देखकर लोग ओजेम्पिक जैसी दवाइयां और फैट बर्नर इस्तेमाल करने के कयास लगा रहे थे। सोहेल ने इन सभी दावों को खारिज करते हुए उन्होंने बताया कि शो के दौरान पेट खराब होने और सेहत बिगड़ने की वजह से उन्होंने अपने खान-पान पर कंट्रोल किया, जिससे उनका करीब 12 किलो वजन कम हुआ है। शुरुआती हफ्ते में पेट खराब हुआ, घबराहट महसूस हुई सोहेल खान ने बताया कि द अलायंस उनका पहला रिएलिटी शो था।

शुरुआत में उन्हें क्लॉस्ट्रोफोबिया (घबराहट) महसूस हुई थी। घर में आने के पहले ही हफ्ते में उनके पेट की तकलीफ बढ़ गई, जिससे परेशानी काफी ज्यादा हो गई थी। तबीयत खराब होने के बावजूद शो के बाकी कंटेस्टेंट्स ने उनका काफी ख्याल रखा और सपोर्ट किया। इसी वजह से वे शो में पांच हफ्ते तक टिक पाए। टास्क में हिस्सा लेने के लिए डाइट पर कंट्रोल किया बीमारी के बाद सोहेल ने अपने खान-पान में काफी बदलाव किया। वे शो में मिलने वाले टास्क और चैलेंजेस में पूरी तरह हिस्सा लेना चाहते थे। सोहेल ने साफ किया कि उन्होंने वजन घटाने के लिए किसी तरह की दवा या फैट बर्नर का सहारा नहीं लिया। उन्हें बस अपनी डाइट पर कंट्रोल करने की जरूरत थी ताकि वे आखिरी दिन तक शो का हिस्सा बने रह सकें।

रामायण की रिलीज डेट का एलान दिवाली से दो दिन पहले आएगी थिएटर्स में

नितेश तिवारी की रामायण के निर्माताओं ने आखिरकार इसकी रिलीज डेट का एलान कर ही दिया. नमित मल्होत्रा की इस फिल्म का पहला भाग दिवाली से दो दिन पहले सिनेमाघरों में रिलीज होगा. घोषणा के साथ ही, निर्माताओं ने फिल्म का अंग्रेजी ट्रेलर भी जारी किया है, जिससे दर्शकों को रिलीज से पहले फिल्म की एक नई झलक देखने को मिलेगी. आम डब किए गए ट्रेलरों के विपरीत, अंग्रेजी एडिशन में कैरेक्टर अंग्रेजी संवाद बोलते हुए दिखाई देते हैं. नमित मल्होत्रा ने पहले भी कई भाषाओं के दर्शकों के लिए रामायण का पॉपुलर करने के लिए उचित तकनीक का उपयोग करने की बात कही थी. सोनी पिक्चर्स ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर रिलीज की तारीख की घोषणा की. पहला भाग 6 नवंबर, 2026 को रिलीज होगा, जबकि दूसरा भाग दिवाली 2027 के आसपास आने की उम्मीद है. रामायणः भाग 2 की रिलीज की सटीक तारीख अभी घोषित नहीं की गई है. जुलाई 2026 में पहली बार जारी किए गए ट्रेलर की शुरुआत यश द्वारा अभिनीत रावण के तीनों लोकों का स्वामी घोषित करने और फिर पूरे भूभाग में विनाश मचाने से होती है. इसके बाद भगवान विष्णु संतुलन बहाल करने के लिए राम का अवतार लेते हैं. इस फुटेज में रणबीर कपूर को राम के रूप में दिखाया गया है, जो सीता (साई पल्लवी द्वारा अभिनीत) से विवाह करने से पहले अपनी प्रजा की रक्षा करते हैं. कहानी में नाटकीय मोड़ तब आता है, जब राम को 14 वर्ष के वनवास की सजा सुनाई जाती है. सीता और लक्ष्मण (रवी दुबे द्वारा अभिनीत) उनके साथ वनवास जाते हैं, इससे पहले कि रावण सीता का अपहरण कर ले, अच्छाई और बुराई के बीच महाकाव्य संघर्ष की पृष्ठभूमि तैयार हो जाती है. इससे पहले द डायरेक्ट से बात करते हुए रणबीर कपूर ने भारत के सबसे पूजनीय महाकाव्यों में से एक को सिर्फ दो फिल्मों में रूपांतरित करने की चुनौती पर अपने विचार व्यक्त किए. उन्होंने कहा, सच कहूं तो रामायण की कहानी बताने के लिए शायद 10 भागों वाली फिल्म की जरूरत होगी, लेकिन दो भागों में इसे छोटे रूप में पेश करना बहुत मुश्किल था. अभिनेता ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि आधुनिक दर्शकों से जुडने के लिए महाकाव्य को मॉडर्न बनाने आवश्यकता है. उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि रामायण जैसी कहानी को इसकी आवश्यकता है. मेरा मानना है कि यह ग्रंथ 4,000 वर्षों से अधिक समय से प्रासंगिक है. भगवान राम विश्वभर में लाखों लोगों के मार्गदर्शक रहे हैं और मुझे लगता है कि इसमें साहस, बुराई पर अच्छाई की जीत, सत्य, क्षमा, करुणा, अहंकार जैसे विषयों पर जो कुछ भी कहा गया है, वह जीवन का एक सबक है.

शाहरुख खान की किंग का जलवा 50 करोड़ में म्यूजिक राइट्स की भारी-भरकम डील

पठान जैसी ऑल-टाइम ब्लॉकबस्टर देने के बाद शाहरुख खान और निर्देशक सिद्धार्थ आनंद आगामी एक्शन-थ्रिलर किंग के लिए फिर साथ आए हैं। इस पैन-इंडिया फिल्म को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह है। जहां यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार है, वहीं चर्चा है कि इसके म्यूजिक राइट्स जी5 म्यूजिक ने 50 करोड़ की शानदार कीमत पर खरीद लिए हैं, जो हाल के समय के सबसे बडे सौदों में से एक है। म्यूजिक राइट्स की खबरों पर जी5 एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के एमडी और सीईओ पुनीत गोयनका ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बातचीत जारी है, पर अभी कुछ फाइनल नहीं हुआ है। पुनीत गोयनका ने बताया, मैं कीमतों पर टिप्पणी नहीं करता। डील अभी साइन नहीं हुई है। संगीत सदाबहार होता है। सात वर्षों में जी5 म्यूजिक ने निर्माताओं को जितनी रॉयल्टी दी है, उतनी किसी कंपनी ने नहीं दी होगी। हम कमाई साझा करना पसंद करते हैं। मोटे दामों पर म्यूजिक डील हासिल करने वाली फिल्मों की बात करें तो इसमें आगामी फिल्म रामायण भी शामिल है। इसके म्यूजिक राइट्स टी-सीरीज ने खरीदे हैं, जिसमें हैंस जिमर और एआर रहमान का संगीत है। खबरों के मुताबिक, टी-सीरीज ने इस फिल्म के दोनों भागों के लिए 75 करोड़ का एडवांस दिया है। टी-सीरीज ने इससे पहले धुरंधरः द रिवेंज और पुष्पा 2 के म्यूजिक राइट्स भी 54 करोड़ और 50 करोड़ की मोटी कीमत में खरीदे थे। किंग में संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर गानों की जिम्मेदारी संभाल रही है, जबकि अनिरुद्ध रविचंदर बैकग्राउंड स्कोर और थीम म्यूजिक तैयार कर रहे हैं। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मारफ्लिक्स फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में पहली बार शाहरुख अपनी बेटी सुहाना खान के साथ नजर आएंगे। उनके अलावा अभिषेक बच्चन, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, रानी मुखर्जी, जयदीप अहलावत, अरशद वारसी और राघव जुयाल मुख्य भूमिकाओं में हैं। ये एक्शन-थ्रिलर फिल्म दिसंबर, 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गोवा में एक्टर ने बाइक को टक्कर मारी, पिता-पुत्र घायल

बॉलीवुड एक्टर अश्विन मुशरान का गोवा से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें भीड़ ने उन्हें घेर लिया। वीडियो के बारे में बताया जा रहा है कि एक्टर की कार ने बाइक सवार पिता-बेटे को टक्कर मारी, जिससे वो गंभीर रूप से घायल हो गए। सामने आए वीडियो में एक्टर भीड़ की नाराजगी के बीच बहस करते दिखे। वहां बीच-बचाव करने पहुंचे नेता ने दावा किया है कि एक्टर की पत्नी रेबेका ने उन पर थूका है। एक बातचीत में एक्टर अश्विन ने कहा है कि मामले को गलत तरह पेश किया जा रहा है। घटना कथित तौर पर मडगांव के कुसमन, क्वेपेम इलाके में हुई। क्वेपम पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर प्रशल देसाई ने कहा है, 15 अगस्त को दोपहर में एक्सीडेंट हुआ। अश्विन और उनकी पत्नी कार में थीं। कार ड्राइवर चला रहा था। वो रॉन्ग साइड से जा रहे थे, तभी बाइकसवारों से कार की टक्कर हुई। फिलहाल मामले की जांच जारी है। उन्होंने आगे कहा, 'पीछे बैठे शख्स को गंभीर चोटे आई हैं। उसके पैर में फ्रैक्चर हो गया है, जिसकी वजह से एक ऑपरेशन हुआ है। फिलहाल वो एडमिट है।' वीडियो में अश्विन मुशरान और उनकी पत्नी रेबेका को स्थानीय लोगों से बहस करते देखा जा सकता है। एक्टर अश्विन मुशरान ने हादसे के वीडियो पर कहा है, 'ये मामला कुछ और है। मैं इस मामले पर चुप हूं और कुछ कह नहीं रहा हूं क्योंकि फिलहाल जांच चल रही है। जब तक सब कुछ साफ नहीं हो जाता, मैं कुछ नहीं कह सकता।' एक्टर के खिलाफ गोवा के क्वेपम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज हुई है।

अपने बच्चे में छिपी प्रतिभा पहचानना चाहते हैं? इन 5 तरीकों को अपनाएं

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बच्चे अपनी खासियत को पहचानें और उसे निखारें। बच्चों में छिपी प्रतिभा को पहचानना एक चुनौतीपूर्ण काम हो सकता है, लेकिन सही दिशा-निर्देश और प्रयासों से यह संभव है। इस लेख में हम कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने बच्चे की खासियत को पहचान सकते हैं और उसे विकसित करने में मदद कर सकते हैं। इससे आपका बच्चा आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ा सकेगा। बच्चों की रुचियों का अवलोकन करना बहुत जरूरी है। उन्हें अलग-अलग गतिविधियों में शामिल करें, जैसे कला, संगीत, खेल या विज्ञान। इससे आपको यह पता चलेगा कि कौन-सी गतिविधि में उनका मन लगता है और वे किस चीज में ज्यादा आनंद लेते हैं। उनके साथ समय बिताकर उनकी पसंदीदा गतिविधियों पर चर्चा करें और उन्हें प्रोत्साहित करें। इससे आप उनके जुनून को समझ सकेंगे और उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन दे सकेंगे। खेल-कूद बच्चों के लिए सिर्फ मनोरंजन नहीं होता, बल्कि यह उनकी मानसिक और शारीरिक

विकास में भी अहम भूमिका निभाता है। अलग-अलग खेलों में भाग लेकर बच्चे टीमवर्क, अनुशासन और समर्पण जैसी जरूरी बातें सीखते हैं। इसके अलावा खेल-कूद से उनकी शारीरिक फिटनेस भी बनी रहती है। बच्चों को अलग-अलग खेलों का अनुभव कराने से उनकी रुचियां और क्षमताएं खुलकर सामने आती हैं, जिससे आप उनकी प्रतिभा को पहचान सकते हैं।

पढ़ाई जरूरी है, लेकिन इसके साथ-साथ रचनात्मक गतिविधियों पर ध्यान देना भी अहम है। संगीत, डांस, पेंटिंग या लेखन जैसी गतिविधियां बच्चों की कल्पना शक्ति को बढ़ाती हैं और उनकी सोचने की क्षमता को विकसित करती हैं। इन गतिविधियों से बच्चे अपनी भावनाओं को बेहतर तरीके से व्यक्त कर पाते हैं और उनकी आत्मविश्वास भी बढ़ती है। इसके अलावा रचनात्मक गतिविधियों से बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। आजकल तकनीकी ज्ञान बहुत जरूरी हो गया है। बच्चों को कंप्यूटर, टैबलेट या मोबाइल फोन का सही उपयोग सिखाना चाहिए।

प्रोग्रामिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग या वीडियो एडिटिंग जैसी तकनीकी गतिविधियां उनके भविष्य के लिए फायदेमंद हो सकती हैं। इससे वे नई चीजें सीखते हैं और उनकी समस्या समाधान करने की क्षमता भी बढ़ती है। तकनीकी ज्ञान से बच्चे न केवल आज की जरूरतों को पूरा कर सकते हैं, बल्कि भविष्य में भी सफल हो सकते हैं। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेना बच्चों को मिलनसार बनाता है और उनकी बातचीत की क्षमता को सुधारता है।

स्कूल, क्लब या समाज सेवा जैसे प्लेटफॉर्म पर जाकर बच्चे नए दोस्त बनाते हैं, अपनी भावनाओं को साझा करते हैं और दूसरों की मदद करना सीखते हैं। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे सामाजिक रूप से जागरूक होते हैं। इन सभी तरीकों से आप अपने बच्चे की छिपी प्रतिभा को पहचान सकते हैं और उसे निखार सकते हैं।

PM Modi's political rule in final phase, successor search under way': Rahul Gandhi at CWC meet

New Delhi, Agency: Congress MP Rahul Gandhi, during the Congress Working Committee (CWC) meeting on Wednesday, reportedly said Prime Minister Narendra Modi's political rule is in its "final phase" and that a search for his successor is already underway.

"Narendra Modi ka siyasi ant ho chuka hai. Inka waqt khatam ho gaya hai. Modi ka shasan aakhiri daur mein hai. Inke uttaradhikari ki talash chal rahi hai (Narendra Modi's political end has come. His time is over. Modi's rule is in its final phase. A search for his successor is underway)," sources quoted the Leader of Opposition in the Lok Sabha as saying.

Rahul Gandhi also described the government as being "completely on the back foot" and urged Congress leaders to adopt a more aggressive approach in taking on the government.

The remarks were made during the CWC meeting at the Congress headquarters, Indira Bhawan, in Delhi, where senior party leaders discussed the political situation in the country and the party's strategy on key issues.

Meanwhile, Congress president Mallikarjun Kharge, who also addressed the meeting, alleged that the Centre had "devastated the future of the youth" over the past 12 years. He claimed that 94,000 schools had shut down in recent years and called for a clear, comprehensive and time-bound "Education-to-Employment Roadmap" for young people.

Kharge also questioned the money, gold and other donations received by the Ram Mandir trust.

He said people had the right to know how the donations were being accounted for and used, and called for any financial wrongdoing to be properly investigated and those responsible to be held accountable.

The CWC meeting was attended by Kharge, Congress Parliamentary Party Chairperson Sonia Gandhi and Rahul Gandhi, among other senior party leaders.

Stop, think, check: 5.7 lakhs kids learn to question answers

New Delhi, Agency: For Paresh Das, a class 10 student of Srimaa Govt High School, the most important lesson was not how to answer faster, but when to slow down. "Earlier, I used to answer quickly. During this activity, I realised that I should think about my answer first," he said. His new four-step rule: "Stop, think, ask and check."

That shift from instinctive response to reasoned judgement is at the heart of the AM/NS India Times Critical Thinking Championship (TCTC), which has reached 5,68,653 students across 3,562 schools in 959 cities and 26 states and Union territories.

Significantly, the intervention is concentrated at an age when learning habits are still taking shape. Of all participants, 4.3 lakh - nearly three-fourths - are in classes 3 to 8. Class 3 alone accounts for 94,873 students, followed by class 6 with 71,436, class 7 with 70,000 and class 8 with 66,998. Another 90,536 students are in classes 9 and 10.

UP accounts for the largest share, with 3,98,266 participants, followed by Uttarakhand at 82,138, Himachal Pradesh at 42,617 and Bihar at 41,112, with smaller cohorts spread across other states.

The initiative uses interactive sessions and scenario-based questions to help students distinguish fact from opinion, identify assumptions, examine evidence and explain how they reached a conclusion. The focus is less on supplying the correct answer and more on making the reasoning behind it visible.

That distinction is becoming more important in classrooms where two powerful forces coexist: an examination culture that has traditionally rewarded recall and a digital environment where search engines, social media and AI can produce answers almost instantly. Information is abundant; verification, reasoning and judgment are becoming the scarcer skills.

Student responses show how that difference is being understood. "Normally I have to learn, remember. Here I have to think," said one student from Sreema Govt High School, adding that asking questions while learning could also help in remembering subjects better.

Another student said the sessions offered a different way of handling problems: instead of panicking, ask why the problem arose, break it down and work through possible answers. "The solution then becomes obvious," the student said.

A third response went directly to the challenge of navigating competing information. "Many times we get confused about what to believe from many versions, how to reach a conclusion," the student said, arguing that STOP-THINK-ASK-CHECK could become a useful habit for getting closer to the truth. This is also the direction in which NEP 2020 and the National Curriculum Framework 2023 seek to move school learning - away from rote reproduction towards competency, application and conceptual understanding.

Same people who litter here, use dustbin abroad': Bombay HC on civic sense

New Delhi, Agency: The Bombay high court on Friday came down heavily on Indians who litter public places at home but follow cleanliness rules abroad, saying the same people who "throw garbage on the road without batting an eyelid" in India ensure to put "even a small chocolate wrapper" in the dustbin abroad. The court stressed that maintaining cleanliness is a fundamental duty and called for strict action against offenders.

A bench of Justices G S Kulkarni and Aarti Sathe made the observations while hearing a batch of petitions over pollution, foul odour, gas emissions and health hazards linked to the Kanjurmarg dumping ground in Mumbai.

The judges said public participation was essential to keeping the city clean and urged civic authorities to enforce the rules without hesitation. "If a person wants a clean environment, then he or she has a corresponding fundamental duty towards society to maintain cleanliness. We want the civic officials to be ruthless in taking action," the court said according to news agency PTI.

Expressing concern over people's attitude towards public cleanliness, the bench said citizens often behave differently once they leave India.

"We have to sensitise our citizens. Here, a person will throw garbage on the road without batting an eyelid, but these same people, when abroad, will strictly avoid such behaviour. Even a small chocolate wrapper they will throw in the dustbin," the high court said. The court also voiced concern over the large quantity of plastic waste strewn across public places, observing that even Mumbai's beaches are littered with plastic. It questioned whether such conditions reflected the standards of "a civilised society". The judges noted that garbage dumped on roads and in narrow lanes poses serious health and hygiene risks to residents every day.

Cabinet eases captive waterfront norms to spur private investment

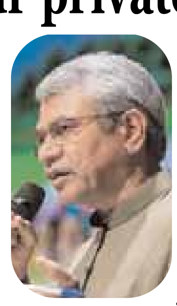

New Delhi, Agency: Cabinet Friday approved a revision to the shipping ministry's captive waterfront policy to accelerate private investment by providing greater operational certainty and allowing govt entities to obtain waterfronts on a nomination basis. The revised Policy for Award of Waterfront and Associated Land to Port-Dependent Industries (Captive Policy) introduces a series of reforms aimed at improving operational flexibility and strengthening infrastructure development at major ports. The shipping ministry said the revised policy allows existing captive users to develop additional berths, jetties, terminals and Single Buoy Moorings (SBMs) to meet enhanced captive requirements. It also extends the concession period to up to 30 years for govt entities while addressing changes arising from evolving business needs and regulatory conditions.

Officials said there were around 24 captive waterfront facilities as of last year. "The policy is expected to provide greater certainty to investors, facilitate capacity augmentation and improve the ease of doing business in the port sector without any financial implication for the government," the ministry said. The revised policy also provides a framework for allotting waterfronts and associated land to eligible government organisations on a nomination basis, without resorting to competitive bidding, subject to availability and prescribed safeguards.

Eligible entities include Central and state govt departments, statutory authorities, autonomous bodies, public sector undertakings (PSUs) and government-controlled joint ventures operating in sectors such as fertilisers, food, petroleum, oil and gas, coal, and steel, as notified by the shipping ministry.

FSSAI cracks down on three firms over food safety violations

New Delhi, Agency: The Food Safety and Standards Authority of India (FSSAI) has launched a fresh enforcement drive against food business operators, issuing a product recall, suspending a manufacturing licence and prohibiting the sale of a health supplement over serious violations of food safety regulations. In one action,

FSSAI ordered M/s Sun Organic Industries Pvt Ltd to immediately recall its Wonderland Raisins after regulatory testing found pesticide residues exceeding the prescribed limits. Samples tested at both the National Food Laboratory, Ghaziabad, and the Referral Laboratory, NIFTEM-K, were declared "unsafe" under the Food Safety and Standards Act, 2006. The company has been directed to recall the entire batch from the market and submit periodic recall status reports.

Terrorists open fire at brick kiln workers in J&K's Kulgam, 1 killed

New Delhi, Agency: One non-local worker was killed and another injured after terrorists opened fire on them in the Kellam area of Jammu and Kashmir's Kulgam district on Friday, Media reported citing police.

Security forces have cordoned off the area and launched a search operation to trace the attackers.

Jammu and Kashmir LG Manoj Sinha condemned the terrorist attack in Kulgam that claimed the life of a labourer from Chhattisgarh, saying he has directed security forces to step up operations and neutralise those responsible.

"I spoke with the DGP, Shri Nalin Prabhat and top security officials following the brutal terrorist attack in Kulgam in which a labourer from Chhattisgarh was killed. I strongly condemn this cowardly act. I have directed our security forces to step up their operations and eliminate the terrorists," he said in a post on X. "J&K Police and Security forces have cordoned off the area and launched an operation to bring the perpetrators to justice. Another injured labourer from Chhattisgarh has been rushed to the hospital for urgent medical care. My deepest condolences to the bereaved family and I am praying for the speedy recovery of the injured. J&K administration and the entire nation stand with the families," he added.

BRIFF NEWS

Govt extends PM-Kisan yojana

New Delhi, Agency: Govt Friday approved continuation of the farmers' income support scheme, Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi (PM-Kisan) Yojana, from 2026-27 to 2030-31 with a total financial outlay of Rs 3.1 lakh crore. Under the scheme, eligible landholding farmer families get financial assistance of Rs 6,000 per year in three equal instalments of Rs 2,000 each. Govt said, "...This has enhanced farmers' productive capacity..."

Floating solar plants get Rs 5,000cr push

New Delhi, Agency: Seeking to increase the Floating Solar Photovoltaic (FSPV) capacity to 5,000 mw from 700 mw, the Centre Friday cleared a Rs 5,070 crore scheme to push development of floating solar projects along with storage set-ups with a minimum capacity of 2 hours. These aim to utilise existing water reservoirs to set up solar plants, helping eliminating competition for land resources. National Institute of Solar Energy declared Maharashtra (16.3 gw) has the highest FSPV potential, which followed by Madhya Pradesh (14.9 gw), and Karnataka (13.7 gw).

SC gives Rs 15L to kin of man killed by stray bull

New Delhi, Agency: Setting a benchmark for compensation in cases of human death caused by stray cattle, particularly at a time when such incidents are on the rise across the country, SC, in a first-of-its-kind case, awarded Rs 15 lakh in compensation to the family of a man who died in 2007 when a bull attacked him in Punjab. Indicating that the state govt could not abdicate its responsibility towards people who get injured or die because of stray cattle, a bench of Justices Sanjay Karol and N K Singh directed all states to frame rules "to develop a mechanism for payment of compensation in accidents caused as a result of bovine/cattle, in both categories of cases, i.e. pedestrian or vehicular".